राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 324 मंगलवार 18 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

प्रोफेसर ने 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण किया

● मोबाइल में 65 अश्लील वीडियो मिले, एफआईआर दर्ज होने के बाद फरार

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में एक डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर के मोबाइल से 65 अश्लील वीडियो मिले। पुलिस जांच में पता चला कि ज्यादातर वीडियो कॉलेज की छात्राओं के हैं। प्रोफेसर ने छात्राओं के कई वीडियो पोर्न साइट पर भी अपलोड कर दिए थे। कहा जा रहा है कि वह 20 साल में 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण कर चुका है। फिलहाल, आरोपी फरार है। कॉलेज मैनेजमेंट ने उसे सस्पेंड कर दिया है। एसपी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें लगाई हैं। मामला बागला डिग्री कॉलेज (एडेड) का है।

छात्रा का लेटर आया सामने

प्रोफेसर डॉ. रजनीश छात्राओं को झांसा देकर कमरे में बुलाता था। आपको बताना चाहती हूं कि प्रोफेसर रजनीश कुमार कई छात्राओं का यौन-शोषण कर रहा है। वह दरिंदा है। वह छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें करता है। वीडियो बनाकर उनका शोषण करता है। मैं एक साल से पीएमओ से लेकर सीएम कार्यालय तक इसकी शिकायत कर रही हूं। लेकिन प्रोफेसर इतना ताकतवर है कि किसी भी शिकायत पर उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। मोदी सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का समर्थन करती है, लेकिन फिर भी ऐसे दरिंदे बेखौफ होकर बेटियों के साथ दरिंदगी कर रहे हैं। इस दरिंदे से मैं इतनी परेशान हूं कि कभी-कभी आत्महत्या करने का विचार आता है।

कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष और मैनेजमेंट को प्रोफेसर की करतूतों के बारे में बताया। उन्हें सबूत भी सौंपे, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। जब तक इस दुष्ट पर कोई कार्रवाई नहीं होती, मैं हार नहीं मानूंगी।

ऐसा लगता है कि कॉलेज के प्रधानाचार्य और मैनेजमेंट की शह पर प्रोफेसर कॉलेज की छात्राओं का शोषण कर रहा है। वह भोली-भाली छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा पास कराने और नौकरी के नाम पर बहलाता-फुसलाता है।

कारोबारी का कार में गला घोंटा, 65 किमी दूर शव फेंका

आगरा (एजेंसी)। आगरा के बांस-बल्ली कारोबारी जितेंद्र बघेल (35) की हत्या करके लाश 65 किमी दूर मथुरा में फेंक दी गई। वह 5 दिन पहले 11 मार्च की शाम को लापता हुए थे। परिवार के लोगों ने पत्नी नीतू के खिलाफ तहरीर सौंपी। पुलिस कस्टडी में पत्नी ने कहा- वो मुझे पीटते थे, इसलिए मैंने ही उनको मार डाला। कार में गला घोंट दिया था।

फिर ऑटो से लाश को लेकर मथुरा गई थी। लाश को अकेले मथुरा के फरह इलाके में ले जाकर कैसे फेंका? ये वह क्लियर नहीं कर पा रही हैं। पुलिस मान रही है कि पत्नी नीतू ने अकेले यह हत्या नहीं की है। इसमें कोई नजदीकी व्यक्ति शामिल है। जितेंद्र बघेल आगरा के सिकंदरा-बोदला मार्ग (जगदीशपुरा) स्थित लाल मस्जिद के पास रहते थे।

महाकुंभ भगदड़ की सीबीआई जांच की जरूरत नहीं..

● योगी सरकार को बड़ी राहत

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने महाकुंभ भगदड़ की सीबीआई जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका

योगेंद्र पाण्डेय और अन्य ने जनहित में दायर की थी, जिसमें महाकुंभ के दौरान हुए भगदड़ की घटनाओं की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने मामले की सुनवाई की।

चीफ जस्टिस अरुण भंसाली की बेंच ने इस याचिका को औचित्यहीन और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीबीआई जांच की कोई आवश्यकता नहीं है और याचिका में कोई ठोस कारण या सबूत पेश नहीं किए गए हैं।

हरियाणा में महिलाओं को 2100 रू. महीना मिलेंगे

● सीएम सैनी ने 5 हजार करोड़ का बजट रखा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा में सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने की घोषणा कर दी। इसके लिए सीएम नायब सैनी ने 5 हजार करोड़ का बजट रखा है। उन्होंने बजट पेश करते हुए इसके बारे में जानकारी दी।

महिला मंत्रियों ने बजाई ताली- जब सीएम ने महिलाओं के लिए यह घोषणा की तो सदन में खूब तालियां बजीं। इस दौरान सरकार की 2 महिला मंत्री श्रुति चौधरी और आरती राव ने भी तालियां बजाईं। सीएम की इस घोषणा के बाद सदन में थोड़ी देर के लिए हंसी-मजाक का भी माहौल रहा।

राज्य के इतिहास में पहली बार बजट 2 लाख करोड़ पार, खिलाड़ियों का बीमा होगा- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर वित्त मंत्री अपना पहला बजट पेश कर रहे हैं।

कंगना रनोट के लिए ऑस्कर मूर्खों का अवॉर्ड

मंडी (एजेंसी)। कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी, हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आने के बाद इसे जमकर सराहना मिल रही है। कई लोगों का कहना है कि फिल्म इतनी बेहतरीन है कि इसे ऑस्कर भेजा जाना चाहिए। इसके जवाब में कंगना ने अमेरिका पर भड़कते हुए ऑस्कर को मूर्खों का अवॉर्ड कह दिया है।

कंगना रनोट ने फिल्म इमरजेंसी को मिल रहीं तारीफों के स्क्रीनशॉट अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किए हैं। एक यूजर ने लिखा था, इमरजेंसी को भारत की तरफ से ऑस्कर जाना चाहिए।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी

● चंद्रमा की सतह की स्टडी के लिए 250 केजी का रोवर ले जाएगा ● यह चंद्रयान-3 से 10 गुना ज्यादा वजनी

बेंगलुरु (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके बाद भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना था। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। वे बेंगलुरु में इसरो चीफ का पदभार संभालने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने बताया- अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले जाएगा।

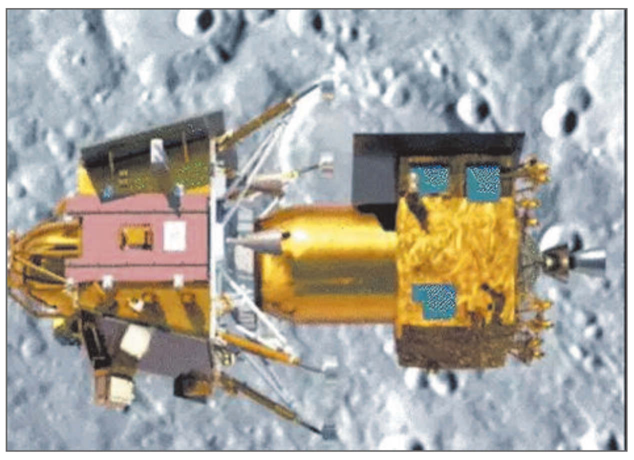

आगे के प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है। इसरो ने 17 अगस्त 2023 को दोपहर 1:15 बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग किया था।

● सितंबर, 2024 में मिली थी चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी- कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है।

इस मिशन पर 2104 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रपल्शन मॉड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मॉड्यूल थे। चंद्रयान-4 के स्टैक 1 में लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए एसेंडर मॉड्यूल और सतह पर लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए डिसेंडर मॉड्यूल होगा।

'औरंगजेब से ज्यादा क्रूर परशुराम', एमपी कांग्रेस नेत्री की पोस्ट पर भूचाल

अब हाथ जोड़कर मांग रही माफी

जबलपुर (एजेंसी)। सोशल मीडिया में विवादित पोस्ट वायरल करने पर पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कांग्रेस

की पूर्व महिला नगर अध्यक्ष ने सोशल मीडिया में भगवान परशुराम की तुलना औरंगजेब से करते हुए पोस्ट वायरल की थी। जिसका हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया था।

पोस्ट में लिखा था- परशुराम जातिगत घृणा के प्रतीक

रविवार को फेसबुक पर कांग्रेस की पूर्व नगर अध्यक्ष रेखा विनोद जैन ने जो पोस्ट साझा किया, उसमें लिखा था- कथाकार मणिका मोहिनी ने एक महत्वपूर्ण बात याद दिलाई है। औरंगजेब ने अपने भाई का सिर काटकर अपने पिता को भेंट किया था, जबकि परशुराम ने अपनी माता का सिर काटकर खुद को भेंट किया था।

हिंदुत्व के ठेकेदार परशुराम के मंदिर तक बनवाते हैं- रेखा विनोद जैन ने पोस्ट में आगे लिखा कि औरंगजेब क्रूर था, कोई उसे आदर्श नहीं मानता। मुसलमान भी अपनी संतान का नाम औरंगजेब नहीं रखते।

कांग्रेस-टीएमसी का राज्यसभा से वॉकआउट

● डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा नहीं होने से नाराज ● कांग्रेस बोली- रेलवे वेंटिलेटर पर, रील बनाने से नहीं सुधरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे फेज का सोमवार को चौथा दिन है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा हो।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया। इसके विरोध में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।

लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है।

वर्षा गायकवाड़ अनुदान की मांगों पर चर्चा में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने ये भी कहा कि दावा किया जाता है कि रेल बजट में अभूतपूर्व बदलाव किए गए, जबकि ये गलत है। सच ये है कि ये फेल बजट है। मौजूदा सरकार यही नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि हर विकास 2014 के बाद हुआ। जबकि तथ्य ये हैं कि पब्लिक सेक्टर के उपक्रम खराब स्थिति में हैं। इधर, दोनों पार्टियों के सांसद डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

सत्र के पिछले तीन दिन हंगामेदार रहे- बजट सत्र के दूसरे फेज के तीनों दिन (10, 11, 12 मार्च) डीएमके सांसदों ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी और ट्राई-लैंग्वेज को लेकर खूब हो-हल्ला किया। कांग्रेस ने गुजरात में भारत-पाक बॉर्डर पर अडाणी ग्रुप के रिन्युएबल एनर्जी प्रोजेक्ट को मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाया था। कांग्रेस ने इसे देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताया था।

रेल मंत्री

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में रेल मंत्रालय के अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि रेल से एक यात्री को एक किमी लेकर जाने की लागत है 1.38 रुपये। हम किराया लेते हैं 73 पैसे यानि करीब 47 प्रतिशत का डिस्काउंट। ये सालाना करीब 60,000 करोड़ रुपये बैठता है। भारत में रेल भाड़ा सभी पड़ोसी देशों में सबसे कम है। विकसित देशों में तो 10 गुना किराया लिया जाता है। इस वर्ष 31 मार्च तक भारतीय रेलवे वर्ल्ड टॉप 3 देश में शामिल होगा। चीन, अमेरिका और भारत, ये तीन देश इस बार टॉप 10 में शामिल होंगे। लोको पायलट की परीक्षा हाल ही में पूरी हुई है।

वडोदरा हिट-एंड-रन मामला, 1 की मौत 7 घायल

आरोपी के हाथ में बोतल दिखी, दोस्त को कार चलाने से रोका, उसे हटाकर खुद ड्राइविंग सीट पर आया था

अहमदाबाद (एजेंसी)। वडोदरा हिट एंड रन केस से कुछ देर पहले का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है। इसमें मुख्य आरोपी रक्षित के हाथ में बोतल दिखाई दी है। वह अपने दोस्त के साथ उसके घर स्कूटी से आया था। सीसीटीवी से यह साफ हो रहा है कि रक्षित जिद करके कार की ड्राइविंग सीट पर गया था।

वडोदरा पुलिस ने भी यह बताया है कि रक्षित पहले कार की सीट पर नहीं था, लेकिन बाद में उसने कार के भीतर ही सीट शिफ्ट की और ड्राइविंग सीट पर आ गया था। 3 मार्च की रात वडोदरा के पॉश इलाके करेलीबाग में काले रंग की तेज रफ्तार फॉक्सवैगन वर्टस कार ने 3 गाड़ियों को टक्कर मारी थी। इस हिट एंड रन केस में एक महिला की मौत हुई थी और 7 अन्य घायल हो गए थे। कार को रक्षित चला रहा था और उसका दोस्त प्रांशु साथ में था। पुलिस ने रक्षित को गिरफ्तार कर लिया है और प्रांशु अभी फरार है। वडोदरा कार एक्सीडेंट से पहले आरोपी रक्षित और उसका दोस्त सुरेश स्कूटी पर थे। रक्षित स्कूटी चला रहा था और सुरेश पीछे बैठा था। दोनों रात करीब 10:30 बजे सुरेश के घर आए। यहां स्कूटी पार्क करने से पहले दोनों में बातचीत हुई। इसके बाद रक्षित सीढ़ियों से ऊपर गया। उसके हाथ में बोतल थी। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि उसमें क्या था।

सीबीआई पर आरोप- कोलकाता रेप-मर्डर केस की सही जांच नहीं की

● सुप्रीम कोर्ट ने पेरेंट्स को कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की परमिशन दी

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए पीड़ित के पेरेंट्स को कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी।

परिवार की मांग है कि, इस मामले में सीबीआई ने सही से जांच नहीं की। याचिका में मुख्य आरोपी संजय रॉय के अलावा अन्य आरोपियों के शामिल होने का पता लगाने के लिए आगे की जांच की मांग की गई। पीड़ित के पिता ने कहा, हमने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके 54 सवाल पूछे हैं। अदालत को उन सवालों के जवाब देने हैं ताकि मेरी बेटी को न्याय मिले। मेरी बेटी के रेप और मर्डर में कई लोग शामिल हैं। और सबूतों से छेड़छाड़ में कई लोग शामिल हैं। पुलिस ने जांच के लिए डॉग स्क्वॉड को बुलाया था, लेकिन हमें अभी तक इसकी कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट करुणा नंदी ने पीड़ित पक्ष की ओर से बात रखी, जबकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सीबीआई की ओर से पेश हुए।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

● सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे। भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रूम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। सुबह से जारी मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है उसके पास से एक असॉल्ट राइफल भी मिली है।

रायपुर में कॉन्स्टेबल ने एएसआई पर दागी 18 गोलियां, मौत

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के मुड़ीपार स्थित आईटीबीपी 38वीं बटालियन (भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल) कैंप में कॉन्स्टेबल ने इंसास राइफल से एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। एएसआई ने आरक्षक के सिर और सीने पर 18 गोलियां बरसाई हैं। पुलिस ने आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सुबह 9 बजे की है। मॉर्निंग परेड के दौरान एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया के डांटने से गुस्से में आकर आरक्षक सरोज कुमार ने फायरिंग की है। इसकी जानकारी मिलने पर खरोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आईटीबीपी की 38वीं बटालियन के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। आरोपी कॉन्स्टेबल सरोज कुमार (32) बिहार के बक्सर जिले का रहने वाला है। वहीं मृतक एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया (56) हरियाणा के रहने वाले थे। दोनों रायपुर के आईटीबीपी 38वीं बटालियन के कॉलोनी में ही रहते थे। आरोपी आरक्षक सरोज कुमार के 5 और 3 साल के दो बेटे हैं। आरोपी परिवार के साथ ही रहता था।

संक्षिप्त समाचार

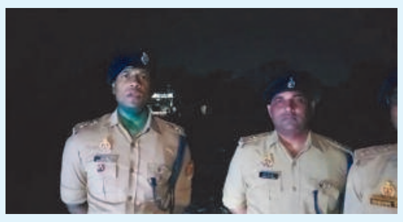

दुष्कर्म का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। विभूतिखंड थाना इलाके में शनिवार को एक बच्ची से दुष्कर्म मामले में दूसरे शहर भाग रहे आरोपित को पुलिस ने देर रात रेलवे क्रासिंग के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची की हालत गंभीर है।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने देर रात जारी बयान में बताया कि शनिवार को नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म करने वाला मुख्य आरोपित दूसरे शहर भगाने की फिराक में खरगू के हैनीमैन क्रासिंग के पास खड़ा होकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में लगी पुलिस टीम ने आरोपित को चारों तरफ से घेर लिया। इस पर उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की,जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जिसकी पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी मोहम्मद सरजू के रूप में हुई हैं। उसे हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। उन्होंने बताया कि विभूतिखंड के सर्वेंट क्वाटर में इटावा का परिवार रहता है। उनकी सात साल की बच्ची कक्षा दो में पढ़ती है। आरोप है कि शनिवार शाम बच्ची किसी काम से निकली तो आरोपित सरजू उसे पकड़ कर अपने कमरे पर ले गया, जहां उसके साथ घिनौनी हरकत की। बच्ची की चीखने की आवाज सुनकर मां पहुंची तो आरोपित वहां से भाग खड़ा हुआ। परिजन बच्ची को गंभीर अवस्था में देखकर दो अस्पताल के बाद क्वीनमेरी लेकर पहुंचे। डाक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बच्ची ने आरोपित की फोटो देखकर पहचान की थी, तभी पुलिस उसकी तलाश में थी। आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

फुटबॉल नर्सरी की डबल जीत, 17वें और अंतिम मिनट में खिलाड़ियों ने पलट दी बाजी

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में फुटबॉल, हैंडबॉल के साथ कई खेलों के विभिन्न स्थानों पर आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। दर्शकों और अतिथियों ने उनका मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल नर्सरी की ओर से शनिवार शाम बरेका इंटरमीडिएट मैदान पर सब जूनियर अंडर-13 फुटबॉल मैच खेला गया। उद्घाटन मैच में फुटबॉल नर्सरी की टीम ने पहाड़ी गांव की टीम को एक गोल से मात देकर अगले राउंड में जगह बनाई। निर्णायक गोल दूसरे हाफ के 17वें मिनट में श्रद्धा ने किया और फुटबॉल नर्सरी को जीत दिला दी। पहले दिन खेले गए दोनों मुकाबलों में फुटबॉल नर्सरी ने पूरे अंक जुटाए। कोच भैरव दत्त ने बताया कि चार दिवसीय प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को होगा। बालिका और बालक वर्ग में तीन-तीन टीमें हिस्सा ले रही हैं। बालिका वर्ग के पहले मैच में फुटबॉल नर्सरी की टीम में तेज खेल दिखाया। पहला हाफ गोल रहित बराबरी पर छूटा। दूसरे हाफ का पहला गोल खुशी ने 8वें मिनट में किया और टीम को बढ़त दिलाई। जवाब में पहाड़ी टीम की फॉर्वर्ड खिलाड़ी मन्नत ने 12वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 की बराबरी पर कर दिया। निर्णायक गोल 17वें मिनट में फुटबॉल नर्सरी की श्रद्धा ने किया और टीम को 2-1 से जीत दिला दी। रविवार को बालक और बालिका वर्ग का दूसरा मैच खेला जाएगा। सोमवार को फाइनल होगा।

रूबल का शानदार खेल : बालक वर्ग के पहले मुकाबले में फुटबॉल नर्सरी की बी टीम ने ए टीम को 3-2 से हराकर प्रतियोगिता के दूसरे चक्र में प्रवेश कर लिया। लीग का दूसरा मैच रविवार को फुटबॉल नर्सरी की बी टीम और पहाड़ी गांव की टीम के बीच होगा। पहला गोल फुटबॉल नर्सरी की ए टीम की ओर से फॉर्वर्ड खिलाड़ी आयुष ने पहले हाफ के 5वें मिनट में किया। 12 मिनट तक कोई गोल नहीं हुआ। हाफ टाइम की सिटी बजने से एक मिनट पहले बी टीम के फॉर्वर्ड खिलाड़ी अंकित ने मैदानी गोल कर टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने एक दूसरे के गोलपोस्ट पर हमले किए, लेकिन सफलता ए टीम के फॉर्वर्ड खिलाड़ी रौनक सिंह को 9वें मिनट में मिली। जब आक्रामक गोल दागकर टीम का स्कोर 2-1 कर दिया।

अजब-गजबः पिता का शव लेने गए, थमा दिया अज्ञात का- मोर्चरी से शव लापता; गोरखपुर बीआरडी की कहानी

लखनऊ, एजेंसी। नियमानुसार, शव मिलने के 72 घंटे बाद उसका पोस्टमार्टम करवा कर पुलिस को दाह संस्कार कराना होता है। लेकिन पुलिस ने यहां लापरवाही बरती और 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम नहीं कराया। होली के दिन दुखी का देवरिया के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के कोरवां निवासी भतीजा संजीव यादव खाना लेकर आया, तब मौत की जानकारी परिजनों को हुई।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मोर्चरी से एक बुजुर्ग का शव लापता हो गया। इसके बाद हड़कंप मच गया। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग शव की तलाश कर रहा है। विगत सोमवार को हरसेवकपुर नंबर दो स्थित टिनशेड के घर में दुखी यादव (70) का शव मिला था। परिजनों के नहीं आने पर शव मोर्चरी में रखवा दिया था। शनिवार को दुखी के देवरिया में रहने वाले भाई और भतीजा बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर दूसरा शव देखकर पंचनामा से इन्कार कर दिया और हंगामा करने लगे। देवरिया जिले के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के कोरवां निवासी दुखी यादव 25 वर्ष पहले अपने तीन भाइयों महंत, जीतन व अमरनाथ के साथ गुलरिहा क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो के शताब्दीपुरम कॉलोनी में जमीन लेकर डेयरी का व्यापार शुरू किया था। इसमें घाटा होने पर तीनों भाई अपने गांव चले गए। दुखी यादव टिनशेड के मकान में अकेले रहने लगे। उन्होंने शादी भी नहीं की थी। सोमवार को दुखी का शव टिनशेड के मकान में मिला था। शरीर पर सफेद कुर्ता था। दाहिने कलाई में कड़ा था। गुलरिहा पुलिस शव को मोर्चरी में रखवाकर परिजनों का इंतजार कर रही थी।

लापरवाही-72 घंटे बाद भी नहीं कराया पोस्टमार्टम

नियमानुसार, शव मिलने के 72 घंटे बाद उसका पोस्टमार्टम करवा कर पुलिस को दाह संस्कार कराना होता है। लेकिन पुलिस ने यहां लापरवाही बरती और 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम नहीं कराया। होली के दिन दुखी का देवरिया के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के कोरवां निवासी भतीजा संजीव यादव खाना लेकर आया, तब मौत की जानकारी परिजनों को हुई।

शाम को गुलरिहा पुलिस से परिजन मिले तो पोस्टमार्टम कराने के अगले दिन बुलाया गया। शनिवार दोपहर में दुखी के तीनों भाई मोर्चरी

पहुंचे तब पुलिस शव की शिनाख्त कराने लगी। तब परिजनों ने पंचनामा से इन्कार कर दिया। परिजनों का कहना है कि जिस शव की शिनाख्त कराई जा रही है, वह जींस पहना हुआ है जबकि दुखी के हाथ में कड़ा था। वह लूंगी पहने थे। जांच हुई तो पता चला कि जिस शव की शिनाख्त कराई जा रही है, वह सड़क दुर्घटना के बाद आया था। पुलिस अब शव के खोजबीन में जुट गई है।

विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर विदेशी पर्यटकों ने स्वच्छता की जगाई अलख

वाराणसी, एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर रविवार को विदेशी पर्यटकों ने नमामि गंगे के सदस्यों के साथ मिलकर स्वच्छता की अलख जगाई। इस दौरान पर्यटकों ने तिरंगा और स्वच्छता लिखी तख्तियां लहरा कर गंगा के निर्मलीकरण का संदेश भी दिया। फ्रांस और रूस से काशी भ्रमण में आए विदेशी पर्यटकों ने आमजन से गंगा नदी के स्वच्छता का आवाह्न किया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक व संपूर्ण विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की राह दिखाने वाली मां गंगा के प्रति विदेशी मेहमानों ने भी सम्मान जताया। संगठन के स्वयंसेवी सदस्यों के साथ देश और विदेशी पर्यटकों ने सफाई के प्रति लोगों को जागरुक किया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व के लोग चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, क्षेत्र या भाषा के हों गंगा के तट पर वसुधैव कुटुम्बकम की प्रासंगिकता को आत्मसात करते हैं। गंगा देश और विदेश को एकता के सूत्र में बांधती हैं। पौराणिक सांस्कृतिक नगरी काशी में आने वाले पर्यटक स्वच्छता अभियान से जुड़कर गंगा निर्मलीकरण में सहयोगी बन रहे हैं। कार्यक्रम में स्थानीय युवा सजल जैन, शुभम, गरिमा, लल्ली, सिद्धांत अनु, नेहा, सरिता शर्मा, अनुभूति एवं खुशी ने भी सहभाग किया।

पश्चिम क्षेत्र में 45 साल में केवल दो महिला जिलाध्यक्ष बना पाई भाजपा, इस बार उम्मीद

मेरठ, एजेंसी। भले ही भाजपा की केंद्र सरकार ने संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बना दिया हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं की भागीदारी कम ही नजर आ रही है। विभिन राजनीतिक दल महिलाओं के प्रतिशत को बढ़ाने में जुटे है तो वहीं भाजपा इसमें फिसड्डी रही है। इस बार भाजपा जिलाध्यक्षों की घोषणा में महिलाओं को स्थान दिए जाने की उम्मीद की जा रही है। भले ही भाजपा की केंद्र सरकार ने संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बना दिया हो, लेकिन स्थापना के 45 वर्ष में भाजपा पश्चिमी क्षेत्र में केवल दो जिलों में ही महिलाओं को जिलाध्यक्ष बना पाई है।

इसमें सुमन त्यागी को बिजनौर और राजेश तोमर को मेरठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया था। अब पार्टी के सूत्रों का दावा है कि नए दौर की भाजपा इस बार संगठन चुनाव में जिलाध्यक्ष पद पर महिलाओं और एससी को समायोजित करने जा रही है। वर्तमान में प्रत्येक राजनीतिक दल बदलाव से गुजर रहा है। भाजपा ने महिलाओं व एससी की भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्हें संगठन में अहम स्थान देने की तैयारी है। ऊर्जावान एससी नेताओं और महिला नेत्रियों को भाजपा ने खोज निकाला और उन्हें कसौटी पर परखा गया। इसमें अनुसूचित जाति की महिला नेत्रियों को भविष्य के लिए तराशा जा रहा है।

महिलाओं को जगह नहीं मिलने से नाराज हाईकमानः महिलाओं व एससी वर्ग को संगठन में शामिल नहीं करने से नाराज हाईकमान ने पैनल निरस्त कर दिए, जिससे जिलाध्यक्षों की घोषणा रुक गई। पार्टी का मानना है कि महिला व एससी को जिलाध्यक्ष जैसे अहम पदों का दायित्व देने से पार्टी के प्रति इन वर्गों का नजरिया बदलेगा और भाजपा के पक्ष में बड़ा बदलाव होगा। भाजपा में महिला को अहम पद देने से सशक्तीकरण और राजनीति में महिलाओं को आगे बढ़ाने का वायदा भी पूरा होगा।

अयोध्या के मठ-मंदिरों में खूब छलका होली का उत्साह, गीत-संगीत की महफिल भी सजी

लखनऊ, एजेंसी। राम की नगरी अयोध्या में धूमधाम से होली का त्योहार मनाया गया। इस दौरान मठ-मंदिरों में फूलों की होली खेली गई और गीत-संगीत की महफिल भी सजी। रामनगरी के मठ-मंदिरों में होली का उल्लास खूब छलका। इसी क्रम में रामनगरी की प्रसिद्ध पीठ दशरथ महल बड़ास्थान में महंत बिंदुगाद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य की अध्यक्षता में शनिवार रात होली पर संगीत की महफिल भी सजी। मंदिर में फूलों की होली का आयोजन किया गया।

भगवान सीता राम समेत लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न की मनमोहक झांकी का दर्शन कर भक्त भावविभोर होते रहे। सबसे पहले मंदिर में विराजमान धनुषधारी भगवान की आरती उतारी गई। इसके बाद फूलों की होली शुरू हुई। इस दौरान गीत-संगीत की महफिल भी सजी। आज अवध में होली रे रसिया... अवध में होली खेलें रघुबीरा... जैसे होली के पदों की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को भक्तिमय कर दिया। इस दौरान एक दूसरे पर पुष्पों की वर्षा की गई। महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य ने श्रीराम-सीता के स्वरूपों पर पुष्पवर्षा कर उनकी आरती उतारी। वहीं, लक्ष्मण किला में भी महंत मैथिलीरमण शरण की अध्यक्षता में संतों ने अपने आराध्य संग होली खेली। एक दूसरे को जमकर रंग लगाया। भगवान को अबीर-गुलाल अर्पित किया।

छह झोपड़ियों में लगी आग...

बाल-बाल बचा परिवार, दमकल की दो गाड़ियों ने काबू पाया

लखनऊ, एजेंसी। मानकनगर में रविवार तड़के छह झोपड़ियों में आग लग गई। एक झोपड़ी में सो रहा परिवार बाल बाल बच गया। दमकलकर्मियों ने दो गाड़ियों से 45 मिनट में आग पर काबू पा लिया। भोलाखेड़ा में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे उन्नाव के बीघापुर में पूर्वा तकिया गांव निवासी रेशम, उन्नाव में असोहा में कंधरपुर निवासी बागेश्वर, सुल्तानपुर के जामो में बलभददेपुर गांव में रहने वाले हरिकेश, बंथरा के त्रिलोचन खेड़ा निवासी विजय शंकर, बंथरा के त्रिलोचन खेड़ा निवासी कन्हैयालाल और धर्मपती झोपड़ी बना कर रहते हैं।

होली पर रेशम को छोड़कर सभी अपने गांव गए हुए थे। रविवार तड़के रेशम परिवार के साथ झोपड़ी में सो रही थीं तभी धुएं और आग की

तपिश के कारण आंख खुल गई। उन्होंने देखा की उनकी झोपड़ी में आग लगी थी। आननफानन वह अपने परिवार के साथ बाहर भागी। लोग आग बुझाने में जुट गए। इस बीच एफएसओ आलमबाग धर्मपाल सिंह दो गाड़ियों और टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। 45 मिनट में दमकल ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। एफएसओ के मुताबिक हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

समस्याओं का निदान कराएं, पीड़ितों को न्याय दिलाएंः मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं 150 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भी गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। इस दौरान 150 से अधिक लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सबका विश्वास, सबका विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं का निदान कराएं और पीड़ितों को न्याय दिलाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और उन्हें विकास से जोड़ें।

पीड़ितों की समस्या के समाधान के लिए संकल्पित है सरकारः मुख्यमंत्री योगी रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में पीड़ितों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी सरकारः मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे, जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने इलाज से जुड़े एस्टिमेट मंगाने के लिए कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश भी दिया।

दो चचेरे भाइयों का अपहरण, पुलिस बोली खुद ढूंढो तो परिजनों ने जाम कर दिया हाईवे

लखनऊ, एजेंसी। बहराइच में दो सगे भाईयों का अपहरण हो गया। पुलिस ने परिजनों से कहा खुद ढूंढो तो नाराज परिजनों ने हाईवे जाम कर दिया। क्षेत्र में आक्रोश बना हुआ है। बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र में घर से खेलने निकले दो चचेरे भाई लापता हो गए। परिजनों ने अपहरण की बात कहते हुए थाने पर तहरीर दी तो पुलिसकर्मियों ने खुद ढूंढने की बात कहकर भगा दिया। इससे नाराज परिजनों ने रात में थाने का घेराव किया। वहीं सुबह-सुबह बहराइच-नानपारा राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर पहुंचे सीओ नानपारा ने परिजनों को समझाकर जाम खुलवाया। क्षेत्र में आक्रोश बना हुआ है। मटेरा थाना क्षेत्र में थाने के पीछे रहने वाले अनिल शर्मा विद्या मंदिर स्कूल के प्रबंधक हैं और उनके बड़े भाई व्यापारी हैं और मिर्जापुर चौराहे पर इलेक्ट्रानिक की दुकान चलाते हैं। शनिवार की शाम अनिल का 10 वर्षीय बेटा सूर्यांश व उनके बड़े भाई प्रदीप का सात वर्षीय बेटा दिव्यांश शर्मा खेलने निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।

पुलिस कमिश्नर ने किया थाना सेक्टर 126 का निरीक्षण, दिए सुधार के निर्देश

फ्यूचर लाइन टाईम्स गौतमबुद्धनगर : पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने थाना सेक्टर 126 का सोमवार को वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष, साइबर हेल्प डेस्क, डाक कार्यालय, हवालात, मेस, बैरक, महिला हेल्प डेस्क और शस्त्रागार सहित पूरे थाना परिसर का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना प्रभारी और हेड मोहर्रिर को लंबित पड़े माल के शीघ्र निस्तारण, परिसर व बैरक की साफ-सफाई सुनिश्चित करने, आगंतुकों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था करने और लावारिस वाहनों की नियमानुसार नीलामी कराने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर ने हवालात, मेस, साइबर हेल्प डेस्क और महिला हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों की तुरंत सहायता करें, प्रतिदिन आने वाली शिकायतों को रजिस्टर में दर्ज करें और उनका त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही महिला हेल्प डेस्क पर आने वाली शिकायतों का फीडबैक लेने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय में सभी

रजिस्टरों की जांच करते हुए पुलिस कमिश्नर ने उनके सही और व्यवस्थित रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने थाना प्रभारी को नागरिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने, उनसे सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने और जनशिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विवेचकों को लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण करने तथा पुलिसकर्मियों को सतर्कता और ईमानदारी से ड्यूटी निभाने की हिदायत दी। इसके अलावा, पुलिस कमिश्नर ने थाना सेक्टर 126 के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण भी किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और निर्माण एजेंसी के अधिकारियों व ठेकेदारों को इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए भवन के तैयार होने से पुलिसिंग अधिक प्रभावी होगी और जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस कमिश्नर ने सलामी गार्द की समीक्षा की और थाने पर नियुक्त दो उपनिरीक्षकों, एक महिला मुख्य आरक्षी तथा तीन ग्राम चौकीदारों को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया। इस मौके पर डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह, एडीसीपी नोएडा सुमित शुक्ला, आईपीएस कृतिका शुक्ला और एसीपी नोएडा प्रथम प्रवीण कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी वेबसाइट बनाकर तटरक्षक बल की भर्ती में ठगी करने वाला गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : नोएडा की थाना सेक्टर-58 पुलिस और साइबर सेल की टीम ने भारतीय तटरक्षक बल की आधिकारिक भर्ती वेबसाइट की नकल कर फर्जी वेबसाइट बनाने और अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त गौरव सिंह पुत्र बहादुर सिंह, निवासी ग्राम नानपुर, थाना किरावली, जनपद आगरा है, जिसे पूछताछ के दौरान थाना सेक्टर-58 से हिरासत में लिया गया।

एसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल ने साइबर क्राइम सेल, थाना सेक्टर-58, नोएडा गौतमबुद्धनगर को सूचना दी थी कि उनकी आधिकारिक भर्ती वेबसाइट https://joinindiancoastguard-cdac-in/ की नकल कर एक फर्जी वेबसाइट बनाई गई है। इस शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-58 में आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सामने आया कि गौरव सिंह ने अपनी ईमेल आईडी gouravsingh2333@gmail.com और मोबाइल नंबर का उपयोग कर फर्जी डोमेन खरीदा और https://joinindiancoastguard-cdac-co-in नामक वेबसाइट बनाई। इसके जरिए उसने अभ्यर्थियों को गुमराह कर ठगी करने का प्रयास किया। पूछताछ में गौरव सिंह ने बताया कि वह पहले तटरक्षक बल में भर्ती की तैयारी कर रहा था और कई बार परीक्षा देने के बावजूद चयन नहीं हो पाया। उम्रसीमा पार हो जाने के बाद उसने ठगी का रास्ता अपनाया और आधिकारिक भर्ती वेबसाइट की नकल कर फर्जी वेबसाइट तैयार की। हालांकि, कुछ दिन बाद ही यह वेबसाइट बंद हो गई। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों को ठगा है और उसके नेटवर्क में अन्य कोई व्यक्ति शामिल है या नहीं।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न से जुड़े कानून पर कंपनी में हुई अहम बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स गौतमबुद्धनगर : नोएडा में कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के तहत आंतरिक समिति की बैठक एक बड़ी कंपनी में आयोजित की गई। इस बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की प्रतिनिधि रीचा कंचन ने कंपनी के सभी महिला और पुरुष कर्मचारियों को इस कानून की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि किसी महिला कर्मचारी को कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का उत्पीड़न महसूस होता है, तो वह घटना के तीन माह के भीतर आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष अपनी लिखित शिकायत प्रस्तुत कर सकती है। शिकायत प्राप्त होने पर समिति का दायित्व होगा कि वह तत्काल आवश्यक बैठक बुलाकर शिकायत में उल्लिखित बिंदुओं की जांच करे और समाधान का प्रयास करे। यदि समिति समाधान करने में असफल रहती है, तो इसे प्रबंधक या कंपनी के

उच्च अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर प्रबंधक या प्रतिष्ठान के उच्च अधिकारी सेवा शर्तों और स्थायी आदेशों के प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा, इस अधिनियम के तहत प्रत्येक कंपनी के लिए यह अनिवार्य है कि वह कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निस्तारण और बैठकों का वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी तक संबंधित जिले के जिलाधिकारी कार्यालय में जमा करे। ऐसा न करने पर कंपनी पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। साथ ही, मिनिस्ट्री ऑफ वीमेन एंड चाइल्ड डवलपमेंट, भारत सरकार द्वारा संचालित SHE Box Portal पर कंपनी का पंजीकरण कराना और शिकायतों के निस्तारण की जानकारी अपलोड करना भी अनिवार्य है। इस बैठक में आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी समझाया गया, जिससे वे इस कानून के तहत कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

स्काउट एवं गाइड संगठन ने एस्टर पब्लिक स्कूल में हैण्ड वॉश जागरूकता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स गौतमबुद्धनगर : भारत स्काउट एवं गाइड के जिला संगठन द्वारा एस्टर पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में छात्र-छात्राओं को हाथ धोने के सही तरीके सिखाने और कीटाणुओं से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार एवं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यायुक्त डॉक्टर राकेश कुमार राठी, जिला सचिव पुष्पेंद्र सिंह, जिला कमिश्नर स्काउट बिजेंद्र सिंह, जिला आयुक्त गाइड देवकी, जिला कोषाध्यक्ष पूनम के नेतृत्व में जिला संगठन आयुक्त गाइड शैफाली गौतम, जिला संगठन आयुक्त स्काउट शिवकुमार और करीब 525 कब/बुलबुल ने भाग लिया।

कार्यक्रम में HIPPO TOOLS ऐप के माध्यम से छात्रों को हाथ धोने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिससे आयोजन और अधिक रोचक बना। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्या सोवरी बनर्जी, उप प्रधानाचार्य रचना शुक्ला, कार्यक्रम इंचार्ज सोनाली गर्ग, सीमा आनंद, अरुणा, शिखा, राजकुमार, सर्वेश सहित समस्त स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला संगठन कमिश्नर गाइड शैफाली गौतम और जिला संगठन आयुक्त शिवकुमार द्वारा किया गया।

बीआईएस ने मानकों के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं की जब्त

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोमवार को एक बड़ी छापेमारी की, जिसमें नोएडा स्थित M/s Ageless Technologies Private Limited के गोदाम से करीब 2300 वस्तुएं जब्त की गई। यह कार्रवाई गुप्त निरीक्षण के बाद की गई, जिसमें पाया गया कि कंपनी ने बीआईएस मानकों का उल्लंघन करते हुए गैर-कानूनी रूप से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का भंडारण और विक्रय किया था। छापेमारी के दौरान विभिन्न प्रकार के वायरलेस माइक्रोफोन और इलेक्ट्रॉनिक पावरबैंक पाए गए, जो बिना आवश्यक लाइसेंस और BIS CRS (Compulsory Registration Scheme) मार्क के थे। विशेष रूप से इन वस्तुओं का दउड QCO (Quality Control Order) के तहत पंजीकरण नहीं किया गया था, जो भारतीय मानक ब्यूरो के दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन है। इन वस्तुओं का कुल मूल्य लगभग 2.95 करोड़ रुपये आंका गया है। छापेमारी और जब्ती अभियान का नेतृत्व बीआईएस नोएडा शाखा के उप निदेशक हर्षित कुमार जैन, उप निदेशक विष्णु दयाल जत, सहायक निदेशक रसुजीत चोंग्डर, SSA आकाश कुमार यादव और MTS दीपक कुमार द्वारा किया गया। इस कार्रवाई में स्थानीय पुलिस स्टेशन नोएडा के कर्मचारियों का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। बीआईएस के अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई वस्तुओं में विशेष रूप से वायरलेस माइक्रोफोन और पावरबैंक थे, जिनमें से कई उत्पादों पर आवश्यक BIS प्रमाणपत्र (ISI मार्क) या CRS मार्क नहीं था, जो उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। यह कार्रवाई BIS की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है, ताकि मानक उल्लंघन करने वाले निमार्ताओं और विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

ऑपरेशन लंगड़ा: पुलिस मुठभेड़ में 20 हजार के इनामी बदमाश को दबोचा, गैंगस्टर एक्ट में था वांछित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : सूरजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक अपराधी घायल हो गया। यह बदमाश गैंगस्टर एक्ट में वांछित था और पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। पुलिस को इसकी तलाश थी, जिस पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा हृदेश कठेरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को हुई जब थाना सूरजपुर पुलिस मोजरबियर गोलचक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो वह भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसका पीछा किया। खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस पर जानलेवा फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। बदमाश की पहचान अशोक पुत्र रामचंद्र, निवासी ग्राम बाग बधिक, थाना सहपऊ, जिला हाथरस (वर्तमान पता–झुग्गी झोपड़ी, रेलवे स्टेशन के पास, दादरी) के रूप में हुई। पुलिस ने उसके कब्जे से एक .315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि अशोक थाना सूरजपुर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 540/23, धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित था और अक्टूबर 2023 से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी कर उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस ने इस पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। फिलहाल, पुलिस आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अवैध कूड़ा डंपिंग पर महापौर का सख्त रुख, विजय नगर में तीन ट्रैक्टर जप्त

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : शहर में अवैध कूड़ा डंपिंग के खिलाफ महापौर सुनीता दयाल की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में विजय नगर क्षेत्र में नगर निगम की भूमि पर अवैध रूप से कूड़ा और नाले की शील्ड डाले जाने की सूचना मिलने पर महापौर ने तुरंत नगर निगम की टीम भेजी। मौके पर कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर को जप्त कर निगम के गैराज में खड़ा कराया गया। विजय नगर क्षेत्र में कॉर्बन कंपनी के पास नगर निगम की भूमि पर लंबे समय से अवैध कूड़ा डाला जा रहा था। इससे पहले भी महापौर ने रात्रिकालीन कार्रवाई कर अवैध ट्रैक्टरों को पकड़वाया था। इसी क्रम में सोमवार को जब दोबारा अवैध रूप से कूड़ा डाले जाने की सूचना मिली, तो महापौर सुनीता दयाल ने तत्काल निगम की टीम को सक्रिय किया। ट्रैक्टरों की ट्रैकिंग कर नगर निगम के जोनल सेनेटरी ऑफिसर ओमपाल और सफाई निरीक्षक स्वेता की निगरानी में तीन ट्रैक्टरों को पकड़ लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह कूड़ा औद्योगिक क्षेत्र से लाया गया था और इसे यूपीएसआईडीसी के माध्यम से डलवाया जा रहा था। नगर निगम इस पूरे मामले की पुष्टि कर रहा है और संबंधित पर जुमार्ने की कार्रवाई की जाएगी। विजय नगर क्षेत्र में अवैध कूड़ा डंपिंग की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इसे लेकर स्थानीय लोग भी जागरूक हो रहे हैं और अवैध कूड़ा डालने की घटनाओं की सूचना दे रहे हैं, जिससे नगर निगम को त्वरित कार्रवाई करने में मदद मिल रही है। महापौर और नगर आयुक्त के नेतृत्व में अवैध कूड़ा डंपिंग पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा।

सलाम नमस्ते में सशक्त उपभोक्ता सप्ताह का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो स्टेशन सलाम नमस्ते ने उपभोक्ता अधिकार दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सशक्त उपभोक्ता सप्ताह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और बाजार में उपलब्ध सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना है। सोमवार को कार्यक्रम के दौरान छात्रों को भ्रामक विज्ञापन, नकली उत्पाद, ऑनलाइन ठगी और उपभोक्ता अदालतों में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि आज के डिजिटल युग में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना बेहद आवश्यक है। बदलते समय के साथ ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है, जिससे उपभोक्ताओं के समक्ष कई नए अवसरों के साथ-साथ नई चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों, सुरक्षा उपायों और शिकायत निवारण प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी एवं भ्रामक विज्ञापनों से बच सकें।सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि सशक्त उपभोक्ता सप्ताह के दौरान सलाम नमस्ते रेडियो वार्ता, परिचर्चा एवं उपभोक्ता मामले के विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कारों का आयोजन कर रहा है, जिससे श्रोताओं को अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक होने का अवसर मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि सलाम नमस्ते बीआईएस के साथ मिलकर उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सदैव प्रयासरत है। हम बीआईएस गाजियाबाद के साथ मिलकर मानक वाणी कार्यक्रम का आगाज कर रहे हैं। इस कार्यक्रम की शुरूआत मंगलवार से की जाएगी। वहीं आज के कार्यक्रम के अंत में उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया कि वे सतर्क रहें, जागरूक रहें और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाएं।

मयंक गोयल का गाजियाबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष बनने पर भव्य स्वागत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : भारतीय जनता पार्टी के नए महानगर अध्यक्ष के रूप में मयंक गोयल की नियुक्ति पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश संयोजक अजय शर्मा, पूर्व महामंत्री लेखराज माहौर एडवोकेट, कुंजन पंडित, जॉनसन मेसी, राम सिंह नेताजी, अजय पाल, मुकेश बडगूजर, हेमराज माहौर, शिवकुमार शिबू, गौरव सिसोदिया और विक्की लेफ्टी सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उन्हें अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला, और सभी ने मयंक गोयल को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

चोरी की गाड़ियां नंबर प्लेट बदलकर चला रहा था, पुलिस ने धर दबोचा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : नोएडा के थाना सेक्टर-58 पुलिस ने वाहन चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की दो कारें बरामद की हैं, जिनमें एक अर्टिगा और एक स्विफ्ट डिजायर शामिल है। आरोपी इन गाड़ियों के नंबर प्लेट और हुलिया बदलकर उन्हें अपने कार्यस्थल पर इस्तेमाल कर रहा था। सुमित शुक्ला अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा नें बताया कि गिरफ्तार आरोपी योगेंद्र पुत्र जगदीश निवासी नंगला गुलाल, थाना नंगला खंगर, जिला फिरोजाबाद, नोएडा के सेक्टर-135 स्थित एक कंपनी में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत था। उसने पूछताछ में बताया कि उसने चोरी की कारों के असली नंबर प्लेट हटाकर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी थीं, ताकि वे पकड़ी न जा सकें। पुलिस ने उसे रजत विहार टी-पॉइंट से एक अर्टिगा कार के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर सेक्टर-55 से एक और चोरी की गई स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की गई। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अर्टिगा कार को 27 फरवरी 2025 को थापर गेट के पास से चुराया था और जीपीएस ट्रेस न हो सके, इसलिए उसने जीपीएस डिवाइस निकालकर फेंक दी थी। इसके बाद गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट (एचआर 38 एएफ 9713) लगाकर उसका हुलिया बदल दिया था, जबकि असली रजिस्ट्रेशन नंबर (यूपी 15 ईबी 4151) को हटा दिया था। वहीं, दूसरी कार स्विफ्ट डिजायर (यूपी 12 बीटी 2741) को उसने वर्ष 2023 में सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में पानी की टंकी के पास से चोरी किया था। इस पर भी उसने फर्जी नंबर प्लेट (यूपी 14 एसटी 8075) लगा दी थी और गाड़ी का हुलिया बदलकर इसे अपनी कंपनी में इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस ने चोरी की गई दोनों गाड़ियां बरामद कर ली हैं और आरोपी के खिलाफ संबंधित

धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने इस तरह की और भी चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

ललित गर्ग

एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं।

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दशार्ता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज आवाज से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिकायत बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है

मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक बढ़ जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीको से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर-शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है। इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना- ये दोनों ही जीवन-विकास एवं ज्ञान-वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्तिशाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण-पथ से ही हम ज्ञान के साथ-साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण-पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आशंकाओं के बीच आश्वस्ति

इंडसइंड बैंक को लेकर आशंकाओं के बीच केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्राहकों और निवेशकों को आस्त किया है कि इंडसइंड बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत और स्थिर है, और इस पर उसकी बारीकी से नजर बनी हुई है। ग्राहकों और निवेशकों को यह भी सलाह दी है कि वे अटकलों पर अति प्रतिक्रिया जतलाने से बचें। केंद्रीय बैंक ने इंडसइंड बैंक के निदेशक मंडल को भी निर्देश दिया है कि वह चालू तिमाही के दौरान बैंक द्वारा घोषित अकाउंटिंग में 2,100 करोड़ रुपये की भारी गड़बड़ी के रहस्योद्घाटन के बीच सुधारात्मक कार्यवाही पूरी करे। दरअसल, इंडसइंड बैंक ने लेखांकन में गड़बड़ी का इसी सप्ताह खुलासा किया था। इससे बैंक के निबल मूल्य पर 2.35 प्रतिशत असर पड़ने का अनुमान है। खुलासे के तुरंत बाद बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई। इससे शंका पैदा हो गई कि ग्राहकों और निवेशकों में अफरातफरी न फैल जाए। ऐसा होता तो समूचे बैंकिंग क्षेत्र पर नकारात्मक असर का अंदेशा होगा। बैंकिंग क्षेत्र की बुनियाद ही विश्वास है, और इसी पर बैंकिंग के कार्यकलाप निष्पादित किए जाते हैं। यदि विश्वास डगमगाया तो मान कर चलिए कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र इसकी चपेट में आ सकते हैं। कई देशों में ऐसा हुआ है कि बैंक पर विश्वास डगमगाते ही बैंक के बाहर ग्राहकों की लाइन लग गई। ग्राहक का मन विचलित होते ही जो हालात बनते हैं, उन्हें साजगार बनाने में अरसा लग जाता है। केंद्रीय बैंक की भूमिका ऐसी परिस्थितियां बनाए रखने की होती है कि जो बैंकिंग क्षेत्र को विकासमान रख सकें। यही रिजर्व बैंक कर रहा है। वह हर हाल में बैंक के हितधारकों का बैंक में विश्वास बनाए रखना चाहता है। इंडसइंड बैंक के लिए ही नहीं, बल्कि समूचे बैंकिंग क्षेत्र और अर्थव्यवस्था के लिए स्थितियों को सहज बनाए रखना चाहता है। दरअसल, अटकलबाजियों का दौर शुरू हो जाने पर स्थिति हाथ से निकल जाने का अंदेशा होता है, और ग्राहकों और निवेशकों की विश्वास बहाली कठिन हो जाती है। जमाकर्ता किसी बैंक में विश्वास के चलते ही अपनी बचत और धन वहां जमा करते हैं, लेकिन हड़कंप जैसे हालात में उनके लिए संभव नहीं रह जाता कि बैंक की तरफ रुख करें। ऐसे में बैंकिंग कारोबार पर विपरीत असर पड़ सकता है, जिससे आर्थिक गतिविधियां शिथिल पड़ सकती हैं। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र परस्पर निर्भर होते हैं। बैंकिंग भी अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें घबराहट और अटकलबाजियों का माहौल कहर बरपा सकता है।

चिंतन-मनन

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाद का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते।

हिमालय : हर दबाव से मुक्ति जरूरी

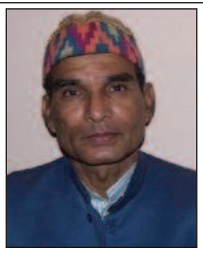

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

हिमालय भी अन्य पहाड़ों की तरह पलायन, भूखमरी और जलवायु के दबाव में है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन ने 11 दिसम्बर, 2021 के अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस के अवसर पर बयान दिया था कि पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम बदलाव और जैव-विविधता के कारण विकासशील देशों में 2000 2017 के बीच भूखमरी में वृद्धि हुई है। हिमालय में भी करीब 40 प्रतिशत लोग खाद्य असुरक्षा के जोखिमों में जीते हैं। पहले वे वन संसाधनों पर बहुत निर्भर करते थे।

वन संसाधनों को पौष्टिक आहार, पशुचारा, खेती में मदद , औषधीय प्रयोगों के लिए लेते थे परंतु इन सब के अलावा मानवीय जरूरतों के लिए खासकर जो हिमालय में नहीं रहते हैं उनके लिए दोहन का दबाव है, या उनकी जरूरतों के लिए अनुरक्षण और विकास का दबाव है जिनसे संबंधित योजनाओं में हिमालयवासियों का विचार के स्तर पर भी भागीदारी नहीं होती है, या उनको विश्वास में नहीं लिया जाता है। साफ ऊर्जा के लिए निर्भरता बांध जल विद्युत परियोजनाएं उनमें हादसे हो रहे हैं। जब बिजली का उपयोग करो तो याद करना कितनी मौतें हुई हैं। हिमालयी परिप्रेक्ष्य का यथार्थ है कि हिमालय को जिंदा रखना है तो हिमालय में लोगों को जिंदा रहना है। हिमालय में जिंदा रहना है तो हिमालय को जिंदा रखना है। आज हिमालयी क्षेत्र में पहाड़ ऐसे टूट रहे हैं पहाड़ियां ऐसे दरक रही हैं जैसे वे रेत के घरौंदें या ताश के पत्तों के घर हों।

पहले तो भूकंपों किंतु अब भूस्खलनों, बादल विस्फोटों से ऐसे हालात अक्सर बन रहे हैं। आम जन तब उन्हें नये आवासीय, खेती या आय उपार्जन के क्षेत्रों में बसाने की मांग करने लगते हैं। अकेले उत्तराखंड में ऐसी स्थितियां लगभग 500 गांवों में हैं। ऐसे में हिमालयी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं से विस्थापितों के अलावा आपदा प्रभावितों के पुनर्वास मानकों और प्रक्रियाओं पर जनसहभागी मंथन लगातार की जरूरत है। इस क्रम में लैंड पूलिंग और मलबा डंपिंग जोनों, दोनों विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। आपदाओं के न्यूनीकरण में पर्वतीय हरित आच्छादन विस्तार महत्त्वपूर्ण माना गया है किंतु इस विस्तार को जंगलों की हरितमा विस्तार तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

अतिरिक्त खेतीबाड़ी की हरितमा स्थायीकरण भी होना चाहिए। यदि यह जैविक भी हो तो जानवरों को पालना आवश्यक हो जाता है। जानवरों को पालने में परोक्ष रूप से परिवार भी बंधता है, जमीन का बंजर होना भी रुकता है। पलायन और खाद्य असुरक्षा को कम करने में यह ग्रामीणों का योगदान होता है। इसके लिए सरकारों को सुगमकर्ता की भूमिका में आना होगा। यहीं पर चकबंदी का सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है। पास पास की लोग खेती करते हैं दूर की छोड़ देते हैं। खासकर जब परिवार में बुजुर्ग ही रह गए हों। बाकी परिवारी इधर-उधर हो गए हों। हिमालयी राज्यों में नित नये ईकोसेंसेटिव जोन घोषित होते हैं। इनके अंतर्गत कई प्रतिबंध लग जाते हैं।

इन स्थितियों में भी लोगों के यहां रहने और विकास करने के अवसर कैसे बनाए रखे जाएं इसी के लिए ऐसे क्षेत्रों में जोनल मास्टर प्लान बनाए जाते हैं। जनता का कहना है कि ईको सेंसेटिव क्षेत्र बनाने के पहले उनकी राय नहीं ली गई जबकि इस राय को विशेषकर महिलाओं से लेने की भी जिम्मेदारी राज्य सरकार की थी। जो लोग हिमालय की संवेदनशीलता के ही नाम पर अलग हिमालय नीति की मांग करते हैं, उन्हें हिमालय में बढ़ते ईकोसेंसेटिव क्षेत्र के संदर्भ में समाधानों की राह बतानी होगी। केवल टकरावों से काम नहीं चलेगा। सड़कों की राह आपदा के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। इनमें पेड़ों की कटाई विस्फोट से निरंतर भूस्खलन के क्षेत्र बन रहे हैं। खड़े चलते वाहनों और व्यक्तियों पर भारी मलबा-पत्थर गिर रहे हैं। इनसे लोग घायल ही नहीं हो रहे हैं, बल्कि जान भी गंवा रहे हैं। सरकारें ही अधिकांश राजमार्ग बनाती हैं और वे ही नियम तोड़ती हैं।

उत्तराखंड की ही चारधाम यात्रा मार्ग या ऑल वेदर रोड का उदाहरण लें। बिना पर्यावरण प्रभाव के आकलन के बन रही पारिस्थिकी को नुकसान पहुंचाते इस राजमार्ग का मामला एक जनहित याचिका के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में भी पहुंचा। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान ही चारधाम राजमार्ग पर डॉ. रवि चोपड़ा की अध्यक्षता में एक हाईपावर्ड कमेटी गठित की। संभवतया अक्टूबर, 2019 में ही इस समिति ने केंद्र सरकार के राजमार्ग निर्माण से संबंधित मंत्रालय से चारधाम राजमार्ग के पर्यावरण प्रभाव आकलन करवाए किंतु इस पर 6-7 माह तक कोई कार्यवाही नहीं हुई थी। काम बदस्तूर जारी रहा। समाचारों के अनुसार क्षुब्ध और आक्रोशित समिति चेयरमैन डॉ. रवि चोपड़ा ने यह कहते हुए कि इस राजमार्ग परियोजना निर्माण में वन्यजीव और वानिकी के नियमों की इतनी अवहेलना और उल्लंघन हुआ है कि लगता ही नहीं है कि कानून का कोई शासन है। आम आदमी, जो हिमालय में बाहर से जा रहा है, वो सोचे मैं हिमालय देखने जा रहा हूं। क्या वहां कूड़े के ढेर देख कर आपको ठीक लगेगा आप कि इतनी दूर से आए सुंदरता देखने और आपको गंदगी दिख रही है। ऐसे ही आप सोचें कि हिमालय में जिस जगह से आप गंदगी बिखरा कर लौट रहे हैं, वहां आपके बाद पहुंचने वाले को कैसा लगेगा। फिर आप सोचें कि आपके जैसे कई लोग गंदगी छोड़ कर जा रहे हैं तो आपके बाद स्थानीय लोगों को कैसा लगेगा। कूड़ा-कचरा यात्राओं में आप छोड़ रहे हैं। बड़ी-बड़ी परियोजनाओं में खुले में शौच हो रहे हैं। केदारनाथ यात्रा समाप्ति पर इसी संदर्भ में एसटीपी की स्थापना की चर्चा भी चली थी। अंततः एक मनीषी के एक हिमालयी राज्य में दिए गए इस सुझाव के परिप्रेक्ष्य में यह भी कहना है कि घाम साफ आसमान की वजह से पहाड़ों में है। परिवहन का यहां इतना भार न पैदा कर दीजिए कि जाड़ों में दिल्ली का गैस चैम्बरीय समॉग हिमालय के शिखर नभों को छू ले। अब वनाग्नियों का प्रारंभ शीतकाल में हो रहा है।

(लेख में विचार निजी हैं)

मोटापा : स्लिम होने की हाराकिरी सोच

सोनम लववंशी

अठारह साल की एक लड़की की मौत..वजह? उसने खाना छोड़ दिया था। सुनने में यह जितना अविसनीय लगता है, हकीकत उससे कहीं ज्यादा भयावह है। केरल की श्रीनंदा, जो कभी खिलखिलाती जिंदगी जी रही थी, धीरे-धीरे खुद को खत्म करने लगी-मात्र इसलिए पतली दिखना चाहती थी।

एनोरेक्सिया नवोर्सा, ऐसी बीमारी जिसमें व्यक्ति जरूरत से ज्यादा पतला होने की कोशिश में खुद को भूखा रखने लगता है, उसका जीवन लील गई। वह खुद को मोटी समझती थी, जबकि उसका वजन केवल 24 किलो रह गया था।

क्या यह महज एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, या फिर एक बड़ी सामाजिक समस्या की भयावह तस्वीर? आज के दौर में सोशल मीडिया और यूट्यूब ने 'परफेक्ट बॉडी' के नाम पर युवाओं के दिमाग में ऐसा डर भर दिया है, जो धीरे-धीरे उन्हें भीतर से खत्म कर रहा है। हर जगह एक ही संदेशः 'पतले रहो, सुंदर दिखो, नहीं तो तुम स्वीकार किए जाने के योग्य नहीं हो!' यह कैसा समाज बना रहे हैं हम, जहां खूबसूरती के पैमाने इंसान की सेहत और जिंदगी से बड़े हो चुके हैं? श्रीनंदा की मौत अकेली नहीं है। हजारों किशोर और युवा इस मानसिकता की गिरफ्त में आ चुके हैं। शोध बताते हैं कि एनोरेक्सिया नवोर्सा से जूझने वालों में से 5 से 10 प्रतिशत की जान चली जाती है।

यह कोई फैशन ट्रेंड नहीं, बल्कि गंभीर मानसिक बीमारी है, लेकिन इसे लेकर जागरूकता इतनी कम है कि जब तक स्थिति बिगड़ नहीं जाती, तब तक इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता। क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ी को इसी तरह खोते रहेंगे? यह समस्या आखिर, पैदा कहां से हो रही है? सोशल मीडिया, फिल्में, फैशन इंडस्ट्री-सब मिल कर एक आदर्श शरीर की परिभाषा बना रहे हैं, जिसमें 'स्लिमनेस' ही खूबसूरती और सफलता की पहचान है। लड़कियां खुद को बॉलीवुड की अभिनेत्रियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से तुलना करने लगती हैं, जो हमेशा पतली, टोंड बॉडी में नजर आती हैं। उन्हें यह नहीं बताया जाता कि इन तस्वीरों के पीछे कड़ी मेहनत ही नहीं, बल्कि एडिटिंग, फिल्टर्स और कभी-कभी खतरनाक डायटिंग भी होती है।

जब एक किशोरी दर्पण में खुद को देखती है और उन 'आदर्श' छवियों से तुलना करती है, तो वह खुद को कमतर महसूस करने लगती है। फिर शुरू होता है खाना छोड़ने, अत्यधिक व्यायाम करने और खुद को तकलीफ देने का खतरनाक सिलसिला। क्या इसके लिए केवल सोशल मीडिया ही जिम्मेदार है? नहीं। समाज में बचपन से ही बच्चों को शरीर को लेकर ताने सुनने पड़ते हैं-'इतने मोटे मत बनो', 'पतले रहोगे तो अच्छे लगोगे'। खासकर लड़कियों पर यह दबाव ज्यादा रहता है। परिवार, स्कूल, रिश्तेदार-हर कोई जाने-अनजाने ऐसी टिप्पणियां कर देता है, जो किसी के भी आत्मविश्वास को जड़ से हिला देती हैं। क्या किसी की सुंदरता को सिर्फ उसके वजन से मापा जाना चाहिए?

डॉक्टरों के अनुसार, एनोरेक्सिया सिर्फ शारीरिक समस्या नहीं, बल्कि मानसिक बीमारी भी है। इसके शिकार लोग जरूरत से ज्यादा परफेक्शनिस्ट होते हैं, जिन पर समाज की अपेक्षाओं का दबाव हावी रहता है। वे खुद को भूखा रखते हैं, शरीर में ऊर्जा की कमी होती है, अंग काम करना बंद कर देते हैं, और धीरे-धीरे वे मौत के करीब पहुंच जाते हैं। समस्या की जड़ तक जाना जरूरी है। सबसे पहले, हमें अपनी सोच बदलनी होगी। क्या वाकई खूबसूरती केवल पतलेपन में है? क्या स्वस्थ, खुशहाल इंसान ज्यादा सुंदर नहीं है? बॉडी पॉजिटिविटी को बढ़ावा देने की जरूरत है, जिससे हर व्यक्ति अपने शरीर को अपनाए, उसे प्यार करे, और अवास्तविक सौंदर्य मानकों के पीछे भागने की बजाय अपनी सेहत को प्राथमिकता दे। अभिभावकों की भी भूमिका अहम है। जब बच्चा बार-बार अपना वजन तौलता है, खाने से बचता है, या अपने शरीर को लेकर असंतुष्ट दिखता है, तो यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि खतरे की घंटी हो सकती है।

ऐसे में तुरंत उससे बात करें, उसे समझाएं कि असली खूबसूरती क्या होती है, और जरूरत पड़े तो मनोवैज्ञानिक मदद लेने से न हिचकिचाएं। मीडिया

और विज्ञापन उद्योग को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। वे चाहें तो सौंदर्य के असली मायने बदल सकते हैं। फैशन इंडस्ट्री को समझना होगा कि हर शरीर खूबसूरत होता है। केवल पतलेपन को बढ़ावा देना खतरनाक हो सकता है। सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अनिरयलिस्टिक बॉडी इमेज को प्रमोट करने वाले कंटेंट पर सख्ती करे। स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाए। श्रीनंदा चली गई, लेकिन उसके पीछे एक सवाल छोड़ गई- क्या हम अब भी नहीं जागेंगे? क्या हमें वाकई इस ह्यस्लिमनेस की सनकह्न को और जिंदगियां लीलने देना चाहिए? या फिर समय आ गया है कि हम अपने बच्चों, अपने समाज और खुद को समझाएं कि असली खूबसूरती स्वस्थ शरीर और खुशहाल मन में होती है? फैसला हमें करना है-कहीं बहुत देर न हो जाए।

फिर हंगामे की भेंट चढ़ी दिल्ली नगर निगम की सदन बैठक

–सदन की मर्यादा को आप पार्षदों ने किया तार–तार ः नेता विपक्ष

–बैठक में कागज फाड़कर भी उड़ाये गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में सोमवार को हुई आम सदन बैठक में फिर से जोरदार हंगामा हुआ और इसी जोरदार हंगामे व नारेबाजी के बीच दिल्ली के महापौर महेश कुमार खींची ने कई प्रस्ताव पारित, स्थानांतरित और शर्तों के साथ पारित कर दिए गए। वहीं, दूसरी तरफ सदन बैठक को लेकर निगम में नेता विपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता पक्ष चाहता ही नहीं ही नहीं है कि सदन बैठक शांति से चले।

नेता विपक्ष व पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने निगम की आम सभा की बैठक में आम आदमी पार्टी (आप) पार्षदों द्वारा सदन की मर्यादा को तार-तार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निगम एक्ट के जरिये आप पार्षद महेश कुमार महापौर बने हैं, लेकिन जब वह सदन में पहुंचे तो उनके सम्मान में आप के ही पार्षद खड़े नहीं हुए और इसे लेकर भाजपा आप पार्षदों द्वारा महापौर की मर्यादा को ठेस पहुंचाने की निंदा करती है। सदन में जब भाजपा ने इस मुद्दे को उठाया तो आप के पार्षदों ने माफी मांगने की बजाय शोर मचाना शुरू कर दिया और शोर-शराबे में प्रस्ताव पास कर लिए गए। जबकि आप के पास बहुमत नहीं है। वहीं, नेता सदन मुकेश गोयल ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा वाले चाहते ही नहीं है कि जनता के मुद्दों पर चर्चा हो और उन्हें फायदा मिल सके।

बता दें कि सोमवार को बैठक का समय दोपहर दो बजे निर्धारित था लेकिन महापौर करीब दो बजकर 35 मिनट पर सदन में पहुंचे। इसके बाद महापौर ने पार्षदों से शांत रहने की अपील की। हंगामे के दौरान कुछ पार्षद महापौर के आसन तक पहुंच गए और माइक भी खींच लिया, इस दौरान कागज फाड़कर भी उड़ाये गए। यह देख सत्तापक्ष के सदस्य और सुरक्षा कर्मी भी महापौर के बचाव में आगे आ गए और बिना माइक के ही महापौर ने सदन बैठक को स्थगित कर दिया।

जनता के मुद्दों पर नहीं हो सकी बहस

बता दें कि हंगामे की आहट होते ही सत्ता पक्ष के पार्षद भी मेजों पर खड़े हो गए और विपक्षी पार्षद के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। पक्ष-विपक्ष की नारेबाजी के दौरान महापौर ने एजेंडा पास कर दिया, लेकिन इसके बावजूद भी हंगामा नहीं रूक पाया। शोर शराबे के दौरान यह भी पता नहीं चल सका कि एजेंडे में जनता के किन-किन मुद्दों पर बहस होनी थी। सदस्यों की गंभीरता का इस बात से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि विपक्षी सदस्यों ने एजेंडे की कॉपी तक फाड़ दी। यह देख सत्तापक्ष के सदस्य और ज्यादा भड़क गए।

सदन बैठक को लेकर क्या बोले निगम के पार्षद

केशवपुरम जोन चेयरमैन व पार्षद योगेश वर्मा का कहना है कि जब सदन चलाने के लिए महापौर महेश कुमार ही गंभीर नहीं हैं तो सत्तापक्ष के सदस्यों से अपेक्षा कैसे की जा सकती है कि वे सहयोग करेंगे। आज भी जनता से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होनी थी, लेकिन सत्तापक्ष के सदस्यों का जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। इसी वजह से वे हंगामे में विश्वास रखते हैं, जनता के मुद्दों में नहीं। वहीं, पार्षद डॉ. अमित नागपाल का कहना है कि सत्ता पक्ष का व्यवहार सदन में ठीक नहीं रहता है। बैठक में भी उन्हें चाहिए था कि हंगामे की बजाय जनता के मुद्दों पर चर्चा करते, लेकिन वह हंगामा करते रहे। जबकि कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश का कहना है कि पक्ष और विपक्ष के सदस्य जनता के मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं हैं। वह हमेशा हर बैठकों में एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करते हैं, जिससे जनता से जुड़े मुद्दे धूमिल हो जाते हैं। भाजपा और आप के बीच लड़ाई में आखिरकार जनता ही पिस रही है, क्योंकि उसकी बात सदन में नहीं हो पा रही है।

यमुना में सीवेज पानी की वजह से 6400 गुणा दूषित पानी पाया जाना चिंताजनक : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने यमुना में लगातार घुलते जहर पर चिंता जताते हुए कहा कि भाजपा सरकार को यमुना के प्रदूषित जहरीले जल की स्वच्छता और गुणवत्ता पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए क्योंकि एनजीटी के निर्देशानुसार दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी यमुना के जल की क्वालिटी चेक की मासिक रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि तय मानकों अनुसार 8 जगह के सैंपल की रिपोर्ट में यमुना के पानी में 6400 गुणा दूषित जल पाया गया है। यह रिपोर्ट केजरीवाल शासन के दौरान भी आती थी। यमुना सफाई और भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाकर सत्ता में आई भाजपा पिछले 1 महीने से जनता से किए वादों को दरकिनार करके दिल्ली वालों के साथ धोखा देने का काम कर रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यमुना का पानी अभी पीने योग्य नहीं है जो दिल्ली के लिए चिंताजनक है। यमुना की यह स्थिति लगातार लम्बे समय से असंशोधित सीवेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट घुलने के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री और मंत्री भी आम आदमी पार्टी की भांति यमुना में सर्वेक्षण के नाम पर फोटो खिंचवाने का काम कर रहे है, कार्य योजना को कार्यान्वित करने में संवेदनशीलता अभी तक कहीं दिखाई नही दी। यमुना सफाई, कूड़े के पहाड़ अथवा दिल्ली की सड़कों की खस्ताहाल, हर विषय पर भाषण और बयान सब केजरीवाल की कार्यशैली से मिलते जुलते प्रदर्शित हो रहे है।

स्वामी दयानन्द अस्पताल में लिफ्ट खराब होने के कारण मरीजों को हो रही परेशानी : आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुनापार के स्वामी दयानन्द अस्पताल में काफी समय से लिफ्ट खराब है। जिसके चलते मरीजों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले पर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज का कहना है कि जच्चा बच्चा वार्ड से संबंधित गर्भवती महिला मरीजों को कितनी परेशानी होती होगी यह बताने की बात नहीं है। स्वामी दयानन्द अस्पताल निगम के सबसे पुराने अस्पतालों में से एक है। जिसमें आसपास के एक बड़े इलाके के लोग इलाज के लिए आते हैं लेकिन सबसे ज्यादा गर्भवती महिलाओं और प्रसूति रोगी ज्यादा होते हैं। जिनको तीन तीन मंजिल पर आना जाना पड़ता है। लेकिन लिफ्ट ना होने के कारण मरीजों को बहुत परेशानी होती है। और प्रशासन है कि आंखे बंद करे किसी बड़े हादसे की बाट जोह रहा लगता है। जबकि पूर्व में रही आम आदमी पार्टी की सरकार हेल्थ सिस्टम को लेकर वोट बैंक की राजनीति करती रही है।

मानसून में नहीं डूबेगी इस बार दिल्ली, भाजपा सरकार ने की तैयारी शुरू : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कई सालों से दिल्ली सरकार की लापरवाही के चलते मानसून के दौरान दिल्ली की जो हालत हुआ करती थी इस बार दिल्ली को इससे राहत मिलेगी। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता पश्चिमी जिले के पूर्व सह.प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा का। गुरमीत सिंह सूरा कहते है जिस तरह से पूर्व में आम आदमी पार्टी की सरकार लापरवाही बरतती थी और केवल अफसरों के भरोसे रहती थी इस बार ऐसा नहीं होगा क्योंकि दिल्ली की भाजपा सरकार नें समय से पहले ही मानसून से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। गुरमीत सिंह सुर्रा कहते हैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा सिचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण विभाग के मंत्री ने अधिकारीयों की बैठकें लेनी शुरू कर दी है और उनके साथ हालात का जायजा लेने के लिए दौरे भी शुरू कर दिए है। इस दौरान मुख्यमंत्री नें बाकायदा अधिकारीयों से रोड मैप बनाने को कह दिया है। गुरमीत सिंह सूरा कहते हैं पिछली सरकार की लापरवाही के कारण हर साल दिल्लीवालों को जलभराव की समस्या झेलनी पड़ी, लेकिन अब केवल कागज़ों पर नहीं, ज़मीन पर काम होगा। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि मानसून से पहले सभी नालों की सफाई और गाद निकालने का कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। स्वच्छ, विकसित और जलभराव मुक्त दिल्ली के लिए भाजपा सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गुरमीत सूरा कहते हैं आप पार्टी सरकार केवल अफसरों के भरोसे चलती थी जबकि भाजपा सरकार अफसरों को साथ लेकर तो चल रही है लेकिन सरकार के मंत्री तथा स्वयं मुख्यमंत्री अपनी निगरानी में काम करा रहे हैं जिसका लाभ दिल्ली की जनता को मिलेगा। इतना ही नहीं दिल्ली सरकार भ्रष्ट अफसरों पर नकेल भी डाल रही है, उल्लेखनीय है गत दिनों ही सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण विभाग के गैर जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ मामले भी दर्ज हुए हैं।

एक करोड़ के आभूषण व नकदी लेकर फरार हुआ नौकर, पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा थाना इलाके में शनिवार को एक नौकर एक करोड़ के गहने व छह लाख नकदी चुराकर फरार हो गया। घटना के वक्त पीड़ित परिवार होली खेलने के लिए गुरुग्राम गया हुआ था। वापस आने पर चोरी का पता चला। पुलिस ने शिकायतकर्ता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर नौकर व उसके साथी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सुरेश मलिक उर्फ नागार्जुन (21) व इसका साथी रोहित कुमार मलिक (29) के रूप में हुई है। पुलिस नेदोनों को लाडो सराय से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के पास से चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपितों से पूछताछ कररही है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित संजय गुप्ता परिवार के साथ नवीन शाहदरा इलाके में रहते हैं। उनकी लोनी रोड, शाहदरा पर फेवीकोल की एजेंसी है। पीड़ित ने होली से 3-4 दिन पहले ही एक नौकर नागार्जुन को घर पर रखा था, क्योंकि उनका पहले वाला नौकर लकी अपनी बहन की शादी के लिए 10-12 दिन पहले अपने बिहार स्थित मूल निवास चला गया था। नागार्जुन को भी उसी बिचौलिए ने उपलब्ध कराया था जिसने लकी को उपलब्ध कराया था। इसके बाद 14 मार्च को पीड़ित अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ सुबह करीब 10 बजे होली मनाने के लिए गुरुग्राम निकल गए।

दिल्ली में लम्बे समय बाद जमीन पर उतर हुई विकास युग की शुरुआत : दीपक गाबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक लम्बे समय बाद दिल्ली की सरकार जमीन पर उतर कर जन समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय होती दिख रही है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के अध्यक्ष दीपक गाबा का। दीपक गाबा कहते हैं स्व.मदनलाल खुराना तथा साहब सिंह वर्मा के समय जिस तरह से सरकार धरातल पर उतर काम करती थी ठीक उसी तर्ज पर रेखा गुप्ता सरकार अपनी टीम के साथ धरातल पर उतर जन समस्याओं का अध्ययन कर उनके समाधान की योजना बना रही है। दीपक गाबा कहते हैं भाजपा के संकल्प पत्र तथा गारंटी को देखते हुए सरकार तेजी से मिशन को पूरा करने को निकल पड़ी है। महिला सम्मान योजना हो या यमुना की सफाई अथवा सडकों की मरम्मत व रखरखाव सभी पर तेजी के साथ काम शुरू हो चुका है जिसे देखते हुए कहा जा सकता है मोदी जी के नेत्रत्व वाली सरकार दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दीपक गाबा कहते है मुख्यमंत्री तथा मंत्री लगातार विधायकों और अधिकारियों के साथ बैठक ले वर्षों की उपेक्षा के बाद युद्ध स्तर पर विकास कार्य के लिए योजनाएं बनाने में जुट गए हैं। दीपक गाबा कहते हैं सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिए है वे सीधे विधायकों से परामर्श कर समस्याओं के समाधान खोजे ताकि व्यर्थ मंल समय बर्बाद नहीं हो। दीपक गाबा कहते हैं दिल्ली में वर्षों से लंबित विकास कार्यों को गति देने के लिए सरकार की यह ऐतिहासिक पहल है। अब हर विधायक अपने क्षेत्र की समस्याओं को सीधे अधिकारियों के सामने रख रहे हैं, और संबंधित विभागों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए जा रहे हैं। दीपक गाबा कहते हैं सड़कों के रखरखाव, मरम्मत, बरसात से पूर्व नालों की सफाई, सीवर सफाई तथा जल निकासी प्रबंधन के साथ-साथ सरकार अतिक्रमण को ले बेहद गंभीर है तथा अतिक्रमण से मुक्ति के लिए प्रयास करने शुरू कर दिए गए है।

चुनाव जीतने के बाद भाजपा भूलती जा रही है जनता से किये वादे : परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी वादा खिलाफी के लिए जानी जाती है, चुनाव जीतने के बाद भाजपा उन्हें चुनावी जुमले बताती रही है और जनता के साथ धोखा करती रही है। यह कहना है राम नगर वार्ड से कांग्रेस के पूर्व निगम प्रत्याशी परमानन्द शर्मा का। परमानन्द शर्मा कहते है जिस तरह करीब डेढ़ दशक पूर्व जिस तरह से प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी नें सभी के खाते में 15-15 लाख डलवाने की बात कही थी और बाद में उसे चुनावी जुमला बता दिया था ठीक उसी तरह दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा नें वादों की झड़ी लगाते हुए जनता को गुमराह करते हुए चुनाव तो जीत लिया लेकिन जनता से किये वादों पर भाजपा नेत्रत्व और दिल्ली की सरकार चुप्पी साधे हुए है। परमानन्द शर्मा कहते हैं दूसरी ओर कांग्रेस है जो जनता से वादे करती है उन्हें पूरा करके दिखाती है। इतना ही नहीं कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार नें तो जनता से जो वादे किये भी नहीं थे वे जनहित के काम भी किये। उन्होंने दिल्ली में इतने विकास किये कि अपने डेढ़ दशक के कार्यकाल में दिल्ली की सूरत ही बदल कर रख दी थी। परमानन्द शर्मा कहते हैं कि कांग्रेस हमेश महिलाओं के विकास, समृद्धि और उनको सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध रही है और जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं वहां चुनाव के दौरान किए गए वादों को समय पर पूरा करके उन राज्यों की जनता को सशक्त और मजबूत बनाने का काम करती रहीं हैं। अभी कांग्रेस की तेलंगाना सरकार ने महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए 25 हजार करोड़ ब्याज मुक्त देने की घोषणा की है। देश भर में भाजपा शासित राज्यों में चुनावी घोषणाओं को या तो लागू नही किया अगर किया है भी वो अंश भर भी नही किया है। यही स्थिति दिल्ली की है कि चुनाव से पहले मोदी की गारंटियों की घोषणा तो की थी परंतु उनको लागू करने की दिशा में जनहित में कोई कदम नहीं उठाया है। परमानन्द शर्मा ने कहा कि 8 फरवरी को दिल्ली में बहुमत मिलने के बाद से आज तक चुनाव में जनता से किए वादों पर सरकार कोई आदेश जारी नहीं किया है। 5 मार्च से भाजपा सरकार महिलाओं, व्यापारियों, पेशेवर लोगों सहित किसानों से सिर्फ मुलाकात करके उनके विचार ले रही है। महिलाओं को 2500 रुपये मासिक समृद्धि राशि, 500 में गैस सिलेंडर, होली दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने, महिलाओं को पेंशन राशि में वृद्धि जैसी घोषणाओं पर चुप्पी साधे हुए है।

जल बोर्ड मुख्यालय में तोड़फोड़ मामला : आप नेता राघव को पूरक आरोप पत्र की प्रति देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय में तोड़फोड़ मामले में राउज एवेन्यू अदालत ने दिल्ली पुलिस को आप नेता राघव चड्ढा को पूरक आरोप पत्र की प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। यह मामला साल 2020 में दर्ज की गई शिकायत पर आधारित है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल की अदालत ने भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया, भाजपा नेता आदेश गुप्ता और अन्य के खिलाफ मामले में जांच की निगरानी के लिए राघव चड्ढा की याचिका के मद्देनजर यह निर्देश जारी किया। मामले की अगली सुनवाई सात अप्रैल को तय की गई है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने 24 दिसंबर, 2020 को दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय में हुई तोड़फोड़ के संबंध में कोविड मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए एक प्राथमिकी दर्ज की थी। जिसका कथित तौर पर तत्कालीन दिल्ली भाजपा प्रमुख आदेश गुप्ता ने नेतृत्व किया था। चूंकि योगेंद्र चंदोलिया वर्तमान में सांसद हैं, इसलिए मामले को हाल ही में विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित किया गया। सुनवाई के दौरान आदेश गुप्ता व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हुए, जबकि योगेंद्र चंदोलिया वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। इस दौरान राघव चड्ढा की ओर से अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा ने उनकी अनुपस्थिति के लिए छूट की मांग की, क्योंकि वे संसद सत्र में व्यस्त थे।

पूर्वी जिला पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद सात बांग्लादेशी पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी जिला स्पेशल स्टाफ व एंटी नारकोटिक्स टीम ने मिलकर सात बांग्लादेशियों को पकड़ा है। आरोपी दिल्ली-एनसीआर इलाके में अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि आरोपियों ने भारत-बांग्लादेश की सीमा को नदियों के रास्ते से अवैध तरीके से पार किया था। इसके बाद पकड़े जाने से बचने के लिए उन्होंने कई बार भारत में अपने ठिकाने बदले थे। पकड़े गये आरोपियों में एक नाबालिग लड़की भी शामिल हैं। इनके अलावा छह अन्य की पहचान बांग्लादेश के खुलना जिला निवासी दिलावर खान व ब्यूटी बेगम, बाहेरहाट जिला निवासी रफीकुल व तौहीद, हुसैनपुर निवासी मोहम्मद अजहर और गोपालगंज, बांग्लादेश निवासी जाकिर मलिक के रूप में हुई है। फिलहाल उन्हें एफआरआरओ के समक्ष पेश करके वापस बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरु कर दी है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिले की कई टीमें अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की धरपकड़ में लगी हुई हैं। इसी बीच रविवार को स्पेशल स्टाफ ने गुप्त सूचना के आधार पर कृष्णा नगर निवासी दिलावर खान नामक आरोपी को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ में उसने अपना मूल निवास पश्चिम बंगाल बताया लेकिन जांच व सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान खुलना, बांग्लादेश स्थित मोरेलगंज गांव निवासी के रूप में हुई। इसके बाद इससे पूछताछ के आधार पर छह अन्य बांग्लादेशियों की पहचान की गई तो दिल्ली एनसीआर इलाकों में अवैध रूप से रह रहे थे। इसके बाद लक्ष्मी नगर, लाजपत नगर, कृष्णा नगर, सीमापुरी के अलावा गाजियाबाद, यूपी के शालीमार गार्डन इलाकों में ताबड़तोड़ छापेमारी की गई और छह अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया गया। इसके बाद सभी को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आरके पुरम स्थित एफआरआरओ के समक्ष पेश कर दिया गया। सभी को वापस भेजने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राजधानी दिल्ली की 156 ऊंची इमारतें प्रदूषण से मुकाबले को तैयार, तैनात की गईं एंटी स्मॉग गन

नई दिल्ली। राजधानी की 156 ऊंची इमारतें प्रदूषण से मुकाबले के लिए तैयार हो गईं हैं। इन इमारतों पर एंटी स्मॉग गन तैनात की गईं हैं। इसके जरिए ज्यादा प्रदूषण वाले दिनों में पानी की बारीक बूंदों का छिड़काव किया जा सकेगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट के मुताबिक इनमें सरकारी इमारतों के साथ ही निजी भवन भी शामिल हैं। दिल्ली में यूं तो मानसून को छोड़कर साल के बाकी दिनों में प्रदूषण का स्तर सामान्य से ज्यादा रहता है। लेकिन, अक्तूबर से लेकर फरवरी तक के समय में लोगों को सबसे ज्यादा प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। इस दौरान, कई-कई दिन प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच जाता है। प्रदूषण की धुंध के चलते लोगों का घरों से निकलना भी परेशानी भरा साबित होने लगता है। ऐसी स्थिति में प्रदूषण की रोकथाम करने के लिए लगभग दो साल पहले दिल्ली की ऊंची इमारतों पर एंटी स्मॉग गन लगाने की कवायद शुरू की गई थी। पहले चरण में दिल्ली की ऐसी ऊंची इमारतों की पहचान की गई जो मुख्य सार्वजनिक जगहों पर मौजूद हैं और जिनके आसपास यातायात काफी ज्यादा रहता है। एंटी स्मॉग गन से पानी की बारीक बूंदों का छिड़काव वायुमंडल में किया जाता है, जिसके चलते वायु मंडल में मौजूद प्रदूषण के कण पानी की बूंदों से मिलने के चलते नीचे जमीन पर बैठ जाते हैं और प्रदूषण के स्तर में कमी आती है।

डॉ. मल्लिका नड्डा ने कश्मीर के जहांगीर दिव्यांग ओलंपिक विजेता खिलाड़ियों का स्वागत किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की धर्मपत्नी ओर स्पेशल ओलंपिक की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर मल्लिका नड्डा ने आज दिल्ली के ध्यानचंद स्टेडियम में इटली से गोल्ड मेडल मेडल सिल्वर मेडल कांस्य मेडल जीत कर आए दिव्यांग बच्चों का

स्वागत किया इस मौके पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के सह प्रभारी राजू चंदेल भी मौजूद थे। डॉक्टर मल्लिका नड्डा ने कहा कि तमाम दिव्यांग बच्चों खिलाड़ियों को सरकार की तरफ से तमाम सुविधाएं दी जाएगी और जितना भी बेहतर हो सकता है खिलाड़ियों को हर सुख सुविधा और सहयोग दिया जाएगा। राजू चंदेल ने कहा मैं आज अपने बेहतरीन जम्मू कश्मीर के इस दिव्यांग खिलाड़ी जहांगीर पुत्र मेहराजुद्दीन निवासी सट्टा बाल को सम्मानित करते हुए बड़ा ही गर्व महसूस कर रहा हूं एक समय था जब जम्मू कश्मीर में बच्चों को कुछ तबलीगी जमात और कट्टरपंथी पैसे देकर पत्थर बाजी कराया करते थे। परंतु यह आज का कश्मीर है और आज के बच्चे जो कि अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन कर रहे हैं आज जम्मू कश्मीर का प्रत्येक बच्चा पत्थर की जगह हाथ में कलम कंप्यूटर पकड़ कर चल रहा है आज हमारा कश्मीर तरक्की कर रहा है और मेहराजुद्दीन जैसे बच्चे जम्मू कश्मीर के अवाम और बच्चों के लिए एक प्रेरणा है हमारी मोदी सरकार और हमारे स्पेशल ओलंपिक की अध्यक्ष बड़ी बहन डॉक्टर मल्लिका नड्डा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन सुख सुविधा और उनको प्रत्येक संसाधन उपलब्ध करा रही हैंऔर आने वाले समय में इसी प्रकार बच्चे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी हमारे देश के लिए गोल्ड मेडल अन्य में मेडल लाकर देश का नाम रोशन करेंगे।

दिल्ली में मनचलों को सबक सिखाएगा शिष्टाचार स्क्वाड

–एंटी रोमियो स्क्वाड की तर्ज पर बनेगी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यूपी के एंटी रोमियो स्क्वाड की तर्ज पर ईव टीजिंग स्क्वाड बनेगा। इसका नाम शिष्टाचार स्क्वाड होगा। दिल्ली के हर जिले में 2 स्क्वाड होंगे। एएसपी, क्राइम अगेंस्ट वूमेन इन स्क्वाड के हेड होंगे।

दिल्ली में बनने वाले ईव टीजिंग स्क्वाड में एक इंस्पेक्टर, एक सब इंस्पेक्टर, 8 कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल होंगे। जिनमें 4 महिला पुलिसकर्मी होंगी। इसके साथ ही स्पेशल यूनिट से एक पुलिसकर्मी तकनीकी सहायता के लिए साथ में रहेगा।

स्क्वाड के पास होंगे अपने वाहन

इलाकों में गश्त करने के लिए स्क्वाड के पास कार और दोपहिया वाहन भी रहेंगे। सभी संवेदनशील इलाकों में स्क्वाड की तैनाती होगी। स्क्वाड में तैनात पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में तैनात रहेंगे।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का भी निरीक्षण करेगी स्क्वाड

स्क्वाड पब्लिक ट्रांसपोर्ट में औचक निरीक्षण करेगा, डीटीसी चालकों, कंडक्टरों और यात्रियों बातचीत करेगा। और पीड़ितों को शिकायत देने के लिए मोटिवेट करेंगे। स्क्वाड के जवान आरडब्ल्यूए और लोकल वालंटियर के टच (संपर्क) में भी रहेंगे, जिससे कि संवेदनशील जगहों की जानकारी मिलती रहे।

सीनियर अफसरों को देनी होगी रिपोर्ट

इसके अलावा स्क्वाड हर हफ्ते जो भी ड्राइव करेगा, उसकी रिपोर्ट सीनियर अफसरों को देनी होगी। साथ ही शिष्टाचार स्क्वाड के परिचालन और प्रभाव को बढ़ाने के लिए दिल्ली पुलिस अकादमी ने सभी तैनात कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए हैं। डीसीपी (जिला) को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी स्क्वाड के सदस्य इस संरचित प्रशिक्षण से गुजरना होगा। साथ ही शिष्टाचार स्क्वाड के परिचालन और प्रभाव को बढ़ाने के लिए दिल्ली पुलिस अकादमी ने सभी तैनात कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए हैं। डीसीपी (जिला) को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी स्क्वाड के सदस्य इस संरचित प्रशिक्षण से गुजरना होगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

संभल की शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई का काम जारी, एलईडी फोकस लाइटों को लगाया जा रहा

संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल जिले में स्थित शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई का काम सोमवार को दूसरे दिन भी जारी है। जामा मस्जिद के पश्चिमी हिस्से की बाहरी दीवारों पर युद्ध स्तर पर पुताई का काम हो रहा है। दीवारों पर पुताई के सिंगल कोट का काम पूरा हो गया है। इसके साथ ही मस्जिद की सजावट के लिए दिल्ली से लाई गई एलईडी फोकस लाइटों को भी लगाया गया है। जामा मस्जिद की रंगाई पुताई के बाद ईद से पहले रंग-बिरंगी लाइटों की रोशनी से जामा मस्जिद जगमग होगी। रविवार को ही 400 एलईडी लाइटों का ट्रक एएसआई के निर्देश पर दिल्ली से संभल पहुंचा है। मस्जिद की पुताई और लाइटिंग को लेकर मुस्लिम समाज के लोग काफी खुश हैं। बता दें कि पिछले दिनों हाइकोर्ट ने एएसआई को स्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाए बिना सजावट के निर्देश दिए थे। जामा मस्जिद कमेटी के सदर वकील जफर अली ने मस्जिद में हो रहे हरे रंग सहित सभी कलर पहले की तरह होने का दावा किया है। हालांकि, पिछले दिनों हिंदू पक्ष ने प्रशासन को ज्ञापन देकर भगवा रंग कराने या फिर केवल सफेद रंग कराने की मांग की थी।

पश्चिमी सिंहभूम जिले में आग की चपेट में आकर चार बच्चों की मौत

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गीतिलिपि गांव में घर में लगी आग की चपेट में आकर चार बच्चों की मौत हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चारों बच्चों के बुरी तरह जले शवों को निकालने का प्रयास कर रही है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। चारों बच्चे घर में पुआल में खेल रहे थे। गांव की एक महिला पानी लेने आई थी, तभी महिला ने देखा कि पुआल घर में आग लगी हुई है और उसमें बच्चे जल रहे हैं। यह देख बच्चों को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक चारों बच्चों की जलकर मौत हो चुकी थी। मृतक बच्चों में अर्जुन चातार का पांच साल का बेटा प्रिंस चातार, चंद्रमोहन सिंकू का पांच साल बेटा साहिल सिंकू, सुखराम सुंडी का दो साल का लड़का रोहित सुंडी और एक पांच साल की लडकी भूमिका सुंडी शामिल हैं। घटना की जानकारी होते ही गांव में लोगों की भीड़ जमा हो गई जैसे-तैसे लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन पुआल सुखा होने के कारण ग्रामीण उसमें नाकाम रहे। तत्काल इसकी जानकारी प्रशासन को दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे अक्सर आसपास और पुआल घर में रोजाना खेलते थे। खेल-खेल में ही किसी कारण से आग लग गई, जिससे घटनास्थल पर ही चारों बच्चों की मौत हो गई है। हालांकि, इस मामले को लेकर पुलिस जांच करने में लग गई। वहीं आग को बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंचकर आग को बुझाने का प्रयास कर रही है।

तेलंगाना सुरंग हादसा : सात लापता लोगों की खोज में राहत और बचाव कार्य जारी

नागरकुरनूल (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल में 'श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कनाल (एसएलबीसी) परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर फंसे सात लोगों को खोजने के लिए जारी तलाश अभियान सोमवार को जारी है। जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि दक्षिण मध्य रेलवे, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एसडीआरएफ, सरकारी खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज, खनिक और अन्य कर्मी आवश्यक उपकरणों की मदद से तलाश अभियान में सहायता दे रहे हैं। बयान में कहा गया तलाश अभियान में उन्नत प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल हो रहा है और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से भी मदद ली जा रही है। एसएलबीसी परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढहने के बाद इंजीनियर और मजदूरों सहित आठ लोग इसमें फंस गए थे। 'टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) ऑपरेटर के रूप में काम करने वाले गुरप्रीत सिंह का शव नौ मार्च को बरामद मिला था। उनका शव पंजाब में रहने वाले उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया है।

जेडीयू विधायक का तंज, तेजप्रताप के खिलाफ बोलने की हिम्मत लालू और तेजस्वी में नहीं

पटना (एजेंसी)। होली पर लालू के लाल तेजप्रताप ने अपने आवास पर पुलिसकर्मी से ठुमके लगवाए थे। इसपर जेडीयू विधायक नीरज कुमार ने लालू परिवार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लालू यादव अपने बड़े बेटे की करतूत पर चुप क्यों हैं। लालू अपने समय में जिस तरह से आईएएस से पीकदान उठवाते थे, अब उनका बेटा भी उसी राह पर है। पुलिसकर्मी से डांस करवा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल ये हैं कि लालू यादव चुप क्यों बैठे हैं। तेजस्वी अपने बड़े भाई के आगे नतमस्तक क्यों है। इस मामले पर दोनों लोग कुछ क्यों नहीं बोल रहे हैं। तेजप्रताप के खिलाफ बोलने की हिम्मत उन दोनों में नहीं है। बिहार में अपराध करने वाले लोग बचते नहीं हैं। लालू जी आप उम्र के चौथे पड़ाव पर हैं। इतनी संपत्ति अर्जित कर ली और अब आप अपने बेटे से भी डर रहे हैं। दरअसल, बिहार में होली के दिन को तेजप्रताप ने अपने आवास पर वर्दी में पुलिसकर्मी को डांस करने के लिए कहा था। वर्दी में पुलिसकर्मी से ठुमके लगाने का मामला तूल पकड़ने पर तेजप्रताप ने लिखा कि बुरा न मानो होली है...आपसी भाईचारे के इस पर्व को भी बीजेपी और आरएसएस के साथ ही इनकी ये गोदी मीडिया ने होली में आज नफरत का एक नया रंग दे दिया है। पुलिस वाले भाई हो या कोई विरोधी दल के नेता सबसे भाईचारे और उत्साह के साथ बुरा न मानो होली पर्व मनाने पर भी सियासत करना यही इनका धर्म बन चुका है। देश की जनता जल्द इन्हें सबक सिखाएगी।

राम मंदिर ट्रस्ट ने पांच सालों में भरा 400 करोड़ रुपए का टैक्स

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने रविवार को कहा कि ट्रस्ट ने धार्मिक पर्यटन में आए उछाल के बीच पिछले पांच सालों में सरकार को करीब 400 करोड़ रुपए का टैक्स दिया है। उन्होंने कहा कि यह राशि 5 फरवरी, 2020 से पांच फरवरी, 2025 के बीच चुकाई गई।

हमले की आंशका के चलते औरंगजेब के मकबरे की सुरक्षा कड़ी

-हिंदू संगठनों द्वारा दी गई धमकी के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी किया

मुंबई (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी द्वारा हाल ही में औरंगजेब के शासनकाल की तारीफ किए जाने के बाद उठा विवाद अब औरंगजेब के मकबरे तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले में स्थित इस मकबरे पर भीड़ के धावा बोलने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है और वहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हिंदू संगठनों द्वारा औरंगजेब के मकबरे पर कारसेवा करने की धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कई राजनीतिक नेताओं ने भी इस मकबरे को हटाने की मांग की है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मकबरे के बाहर स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स (एसआरएफ) को तैनात किया गया है। मकबरे में सीधी एंट्री पर रोक लगा दी गई है, और अगले आदेश तक वहां जाने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक होगी।

राजनीतिक विवाद गहराया

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी हाल ही में कहा था कि सरकार इस मकबरे को हटाने के पक्ष में है, लेकिन कांग्रेस शासन के दौरान इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में दे दिया गया था, जिससे इसे हटाना आसान नहीं है। इस बयान के बाद हिंदू संगठनों ने अपने विरोध को और तेज करते हुए मकबरे पर कारसेवा करने की धमकी दे दी।

असली समस्याओं से ध्यान भटकाने की चाल

विपक्ष का कहना है कि यह मुद्दा जानबूझकर उछाला जा रहा है ताकि जनता का ध्यान असली समस्याओं से हटाया जा सके। उद्धव सेना के नेता अंबादास दानवे ने सरकार पर मकबरे के रखरखाव के लिए फंड जारी करने के बावजूद इस तरह के भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस विधायक कल्याण काले ने भी कहा कि यह मुद्दा निकाय चुनावों के मद्देनजर खड़ा किया गया है।

इतिहास बदलने से नहीं मिटेगा मकबरा: रामदास आठवले

एनडीए के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मकबरा गिराने की मांग को अतिवादी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इतिहास को बदला नहीं जा सकता, और सरकार को मकबरे की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मकबरे की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और भीड़ को वहां जाने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

बाबा सिद्दीकी मौत मामले में अपने बयान से पलटे सभी आरोपी

-चार्जशीट में अनमोल को मर्डर का मास्टरमाइंड बताया

मुंबई। 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई में एनसीपी लीडर बाबा सिद्दीकी पर तीन शूटर्स ने फायरिंग की थी। मर्डर केस में वांटेड आरोपी शुभम लोनकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मर्डर की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया कि तीनों संदिग्ध शूटर्स ने मर्डर से पहले लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई से बात की थी।

पुलिस ने केस में 29 लोगों को आरोपी बनाया, इसमें अनमोल बिश्नोई सहित 3 वांटेड आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। केस के मुख्य 6 आरोपियों ने इकबालिया बयान में हत्या और उसमें शामिल होने की बात कबूली थी। अब सभी अपने बयान से पलट गए हैं। आरोपियों ने जुर्म कबूल करने के लिए पुलिस पर दबाव डालने का आरोप लगाया है। बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान मर्डर के पीछे जमीन विवाद का शक जता रहे हैं। अब सवाल ये है कि बयान से पलटने के बाद आरोपियों का जुर्म साबित करना कितनी बड़ी चुनौती होगी। इसका केस पर क्या असर पड़ेगा। इस पर कानूनी पहलूओं के बारे में आपको बता रहे है। इसमें मुंबई पुलिस की 5580 पेज की चार्जशीट को बारीकी से अध्ययन किया गया। चार्जशीट में गैंग लीडर अनमोल बिश्नोई को मर्डर का मास्टरमाइंड बताया गया है। हालांकि, इसमें लॉरेंस का नाम नहीं है। 26 गिरफ्तार आरोपियों में से जिन लोगों ने पुलिस के सामने जुर्म कबूला था, उन सभी ने बयान वापस ले लिए हैं। बयान वापस लेने के पीछे कई दलीलें हैं। जांच एजेंसी ने धमकाया और परिवार के खिलाफ फर्जी या मकोका जैसे केस दर्ज करने को कहा।

विरोधियों को मायावती की दो टूक, बसपा परिवारवाद से ऊपर, मेरे सभी रिश्तेदार सिर्फ उनके बहुजन परिवार का हिस्सा

लखनऊ (एजेंसी)। आकाश आनंद पर एक्शन के बाद अब बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने साफ संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बसपा परिवारवाद से ऊपर है। उनके सभी रिश्तेदार सिर्फ उनके बहुजन परिवार का हिस्सा हैं और कुछ नहीं। लखनऊ में सोमवार को मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाने पर कहा कि मेरे भाई, बहन या रिश्तेदार सिर्फ बहुजन समाज का हिस्सा हैं और कुछ नहीं। पार्टी और आंदोलन के लिए बहुजन समाज के लिए काम करने वाले लोगों को पार्टी में आगे आने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने पार्टीजनों को चेतावनी दी कि बसपा को कमजोर करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता और विपक्ष में रहने वाली पार्टियां बसपा के खिलाफ एकजुट हो रही हैं और बसपा को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। बाबा साहब अंबेडकर को भी ऐसी ही कोशिशों का सामना करना पड़ा था, लेकिन बाबा साहब

और बाद में कांशीराम ने उन्हें कभी सफल नहीं होने दिया। मैं भी उन्हें ऐसा कभी नहीं करने दूंगी।

उन्होंने कहा कि दलित और दबे-कुचले वर्ग के लोग जानते हैं कि बसपा सरकार के पूर्ण बहुमत से सत्ता में आने से पहले दलित उच्च वर्ग के सामने कुर्सी पर नहीं बैठ सकता था। 2007 के बाद जब बसपा सत्ता में आई तब ये चीजें बदल गई हैं। अब दलित सम्मान के साथ कुर्सी पर बैठते हैं। यह वास्तविक सामाजिक बदलाव है। यह बदलाव मेरे नेतृत्व में बनी बसपा सरकार ने लाया है। यह सब मान्यवर कांशीराम की वजह से हुआ और यह इतिहास में लिखा जाएगा।

वक्फ संशोधन बिल के पास होने पर सबसे ज्यादा फायदा गरीब पसमांदा मुस्लिमों को होगा: जगदम्बिका पाल

बिल का विरोध करना विपक्षी दलों का तुष्टिकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर देश में बड़ा विवाद खड़ा किया जा रहा है। इस बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने बताया कि जेपीसी में बिल पर गहन विचार-विमर्श किया है। विपक्षी दलों और मुस्लिम संगठनों द्वारा बिल का विरोध करने पर पाल ने कहा कि ऐसा सिर्फ लोगों को गुमराह करने, तुष्टिकरण करने और सियासी तकरार के कारण किया जा रहा है।

जेपीसी अध्यक्ष पाल ने कहा कि जेपीसी द्वारा वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के लिए कई महत्वपूर्ण हितधारकों को बुलाया गया, इसमें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य प्रमुख संगठन शामिल थे। समिति ने विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों, जिसमें असदुद्दीन ओवैसी, कल्याण बनर्जी, ए.राजा आदि भी शामिल थे, के विचारों को सुना और रिकॉर्ड भी किया। समिति ने छह महीने के दौरान कुल 118 घंटों तक 38 बैठकें की। सभी बैठकों में देशभर के विभिन्न राज्यों जिसमें

असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु आदि के प्रतिनिधियों की राय ली गई। पाल ने कहा कि समिति द्वारा तैयार रिपोर्ट के अनुसार, इस बिल का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वर्तमान में, इन संपत्तियों का सही उपयोग नहीं हो रहा था, इससे गरीब, पसमांदा, अनाथ, विधवाएं और जरूरतमंद लोग लाभान्वित नहीं हो रहे हैं।

पाल का कहना है कि अभी यह कानून पारित भी नहीं हुआ है, लेकिन इसके बावजूद कुछ समूह शाहीन बाग जैसी स्थिति बनाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने इन धमकियों को सोची-समझी रणनीति करार दिया, जिसका उद्देश्य देश में आंदोलन खड़ा करना है। उन्होंने धारा 370 के हटाने के समय की घटनाओं का उदाहरण देकर कहा कि जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की पहल की थी, तब महबूबा मुफ्ती ने खून की नदियां बहने की चेतावनी दी थी। लेकिन आज जम्मू-कश्मीर की स्थिति कितनी अच्छी है। इसी तरह, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीन तलाक कानून लाया गया था, तब भी मौलाना जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन आज अल्पसंख्यक महिलाएं इस कानून के लिए सरकार की आभारी हैं और खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। इसी तरह से जब नया कानून पास हो जाएगा तब इसका सबसे फायदा गरीब पसमांदा मुस्लिमों को मिलेगा।

जेपीसी अध्यक्ष पाल ने कहा, भारत में प्रजातंत्र है, जहां कानून बनाने का अधिकार जनता द्वारा चुने जनप्रतिनिधियों के पास होता है। केंद्र सरकार के पास बहुमत था और वह बिल को सीधे संसद में पारित करा सकती थी, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू ने बिल को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा ताकि सभी पक्षों की राय ली जा सके और एक संतुलित कानून बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा हमेशा से स्पष्ट रही है कि आज धरना करने वाले इन मुस्लिम संगठनों सहित सभी हितधारकों की राय ली जाए।

रान्या को लेकर बीजेपी विधायक ने की अश्लील टिप्पणी, कहा-उसके शरीर में जहां भी..

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री रान्या राव के सोना तस्करी मामले की जांच चल रही है। इस बीच बीजेपी के विधायक बासनगौड़ा पाटिल यतनाल ने अभिनेत्री राव को लेकर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने सोने की तस्करी कांड में कर्नाटक सरकार के कई मंत्रियों के जुड़े होने का भी दावा किया है। हालांकि, उन्होंने नहीं बताए हैं और कहा कि विधानसभा में वह नामों का खुलासा करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी विधायक यतनाल ने कहा कि रान्या राव ने पूरे शरीर पर सोना लपेट रखा था। उसके पास जहां भी.... (गंदा शब्द इस्तेमाल किया) था, वहां सोना छिपाया था और तस्करी की थी। उन्होंने तस्करी के इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रान्या राव को 3 मार्च को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी करते गिरफ्तार किया था। उनके पास 14 किलो से ज्यादा का सोना बरामद हुआ था, जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपए बताई गई थी। बीजेपी विधायक यतनाल ने कहा कि वह विधानसभा सत्र के दौरान

इस मामले में शामिल सभी मंत्रियों के नाम का भी खुलासा करूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने रान्या राव के संबंधों, जिसने उनकी सिक्योरिटी लेने में मदद की और कैसे सोना लेकर आईं, जैसी सभी जानकारियां जुटा ली हैं। मैं विधानसभा सत्र में इसका खुलासा करूंगा। यह भी बताऊंगा कि उन्होंने सोना कहां छिपा रखा था और कैसे तस्करी कर लाई थीं। कर्नाटक में बीजेपी ने मीडिया में जारी खबरों का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से सोना तस्करी मामले में कथित रूप से शामिल मंत्रियों के नामों का खुलासा करने का आग्रह किया है। अभिनेत्री रान्या राव ने आरोप लगाए हैं कि डीआरआई के अधिकारियों ने उससे मारपीट की और उसे खाली व पहले से लिखे कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया। अभिनेत्री ने दावा है कि हिरासत में लिए जाने से लेकर कोर्ट में पेश किए जाने तक उसे 10 से 15 बार थप्पड़ मारे गए। राव ने आरोप लगाया कि बार-बार मारपीट और थप्पड़ मारे जाने के बावजूद उन्होंने डीआरआई अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। रान्या ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें पहले से कुछ लिखे 50 से 60 और लगभग 40 खाली कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। रान्या ने बेंगलुरु में डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक को लिखे एक पत्र में दावा किया कि उन पर झूठा मामला थोपा गया है। रान्या पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। रामचंद्र राव वर्तमान में कर्नाटक राज्य पुलिस आवास और अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

धनखड़ बोले- एम्स में भर्ती रहने के दौरान सोनिया गांधी और ममता बनर्जी मेरी पत्नी से कुशलता की जानकारी लेती रहीं

-पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी ने नेताओं ने मेरी चिंता की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का गवर्नर रहने के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और ममता बनर्जी के बीच कई बार तनावपूर्ण मौहाला बना था। लेकिन धनखड़ और सीएम ममता बनर्जी के निजी रिश्तों पर उसका कोई असर नहीं दिखता। इसकी बानगी तब दिखाई दी, जब उपराष्ट्रपति धनखड़ बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती थे। खुद उपराष्ट्रपति ने बताया कि ममता उनके अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उनके परिवार के संपर्क में रहीं। सोमवार से राज्यसभा की कार्यवाही फिर से संभालने वाले धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार उनकी पत्नी के संपर्क में रहीं। उनकी कुशलता की जानकारी लेती रहीं।

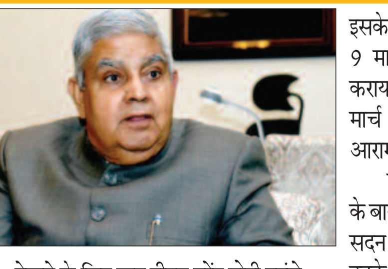

उन्होंने कहा कि मुझे अस्पताल में देखने के लिए खुद पीएम नरेंद्र मोदी पहुंचे थे। इसके अलावा टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन भी एम्स पहुंचे थे। सोमवार को सदन में उपराष्ट्रपति की दीर्घायु की कामना की गई। वहीं नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आपको अभी और आराम करने की जरूरत है। दरअसल धनखड़ को हृदय रोग से संबंधित समस्या थी और उन्हें चेकअप के लिए अस्पताल ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी नेताओं ने मेरी चिंता की। इसके लिए मैं आभारी हूं। धनखड़ को 9 मार्च को दिल्ली एम्स में एडमिट कराया गया था। उन्हें अस्पताल से 12 मार्च को छुट्टी मिल गई थी, लेकिन आराम करने के लिए कहा गया था।

उन्होंने कहा कि वे स्वास्थ्य लाभ के बाद पहली बार सदन में आए हैं। यह सदन उनका स्वागत करता है और उनके स्वस्थ, मंगलमय एवं दीर्घ जीवन की कामना करता है। विपक्ष के नेता खरगे ने सभापति को स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं देकर कहा कि अभी उन्हें आराम करना चाहिए। धनखड़ ने सदन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोनिया गांधी और ममता बनर्जी लगातार उनकी पत्नी डा सुदेश धनखड़ के संपर्क में रहीं और कुशलक्षेम की जानकारी लेती रहीं। कई और मुख्यमंत्री भी उनका लगातार हाल पूछते रहे।

सुशासन बाबू के राज्य में पुलिस नहीं सुरक्षित, पांच दिनों में 7 बार पुलिस टीम पर हमला

-2 एएसआई की मौत हुई और 5 पुलिसकर्मी घायल

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीते कई दिनों से अलग-अलग इलाकों में पुलिस टीम और अधिकारियों पर हो रहे हमलों से कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे है। पांच दिनों में 7 बार पुलिस टीम को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में 2 एएसआई की मौत हुई और 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सोमवार को विधानसभा में भी विपक्ष ने राज्य में कानून-व्यवस्था को नीतीश सरकार पर निशाना साधा है।

12 मार्च को अररिया में अपराधियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर असामाजिक तत्वों ने हमला किया। इसी दौरान एएसआई राजीव रंजन गिर गए। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस टीम पर हमला कर असामजिक तत्व आरोपी को छुड़ा ले गए।

वहीं 14 मार्च, मुंगेर में विवाद सुलझाने गई पुलिस टीम पर हमला किया। हमले में एएसआई संतोष कुमार की मौत हुई। एएसआई कुमार शराब पीकर हंगामे की सूचना पर अपनी टीम के साथ नंदलालपुर गांव गए थे। गांव पहुंचने पर असामाजिक तत्व ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से कई बार किए गए। जिससे वे गंभीर रुप से घायल हो गए। डॉक्टर ने बताया, सिर में 8 शार्प इंजरी के निशान मिले हैं। खोपड़ी की हड्?डी तक टूट चुकी थी। हमले के बाद पुलिस टीम ने आरोपी गुड्डू यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद गिरफ्तार गुड्डू यादव ने सिपाही का हथियार छीन लिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने अपराधी को पैर में गोली मारी, जिससे गुडडू घायल हो गया।

वहीं होली के दिन हनुमान नगर स्थित एक दुकानदार के साथ उधारी को लेकर कुछ व्यक्तियों के बीच विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कर लौट रही थी, तभी कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। जिसमें कई महिला और पुरुष शामिल थे। पुलिस ने मामले में मोहन पासवान, पिता नंदू पासवान, परमशिला देवी, पति सियाराम पासवान, पवन देवी, पति उमेश पासवान, नंदनी देवी, पति सुरेंद्र पासवान, बुची देवी, पति सुरेंद्र पासवान को अरेस्ट किया है।

वहीं शनिवार को भागलपुर में पुलिस टीम ने हमला हुआ। जिसमें 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि कासड़ी गांव में झगड़ा सुलझाने के लिए गई पुलिस टीम पर लोगों ने पथराव किया। इसमें पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में सब इंस्पेक्टर सहित 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

16 मार्च को पटना में होली के दिन कुछ शराबियों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया और एक सब इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ दी। हमले में एक सिपाही भी घायल हो गया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करके कई खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया।

16 मार्च को ही नवादा के तुलसी बिगहा गांव में रहने वाली एक महिला रात अपने पति की शिकायत लेकर थाने पहुंची थी। इसके बाद पुलिस ने उसकी शिकायत लेकर ससुराल भेज दिया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिसकर्मी मौके पर गए थे।

इसी दौरान पीड़ित महिला के पति के उकसाने पर डीजे बजाकर होली गा रहे ग्रामीणों ने पुलिस पर हमला कर दिया। हमले में दारोगा सहित दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। 16 मार्च को जहानाबाद में होली के दूसरे दिन सदर थाना क्षेत्र के पास नया टोला मोहल्ले में मटका फोड़ने को लेकर हुए विवाद और पथराव में एक पुलिसकर्मी समेत कई लोग घायल हो गए।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। ।सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

मेरे ख्याल से शादी सिर्फ एक स्टैंप होती है: डीनो मोरिया

49 साल की उम्र में भी बॉलीवुड एक्टर डीनो मोरिया अब तक कुंवारे हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने कंफर्म कर दिया कि वह रिलेशनशिप में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान डीनो मोरिया ने प्यार, रिश्तों और शादी को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, मेरे ख्याल से शादी सिर्फ एक स्टैंप होती है, एक कॉन्ट्रैक्ट, जो कहता है कि तुम दोनों साथ में जिंदगी बिताओगे। लेकिन अब मेरा मानना है कि यह सिर्फ समाज की बनाई हुई चीज है। अगर किसी रिश्ते में दिक्कतें आ रही हैं और चीजें ठीक नहीं हो रही हैं, तो उसे जबरदस्ती निभाने की जरूरत नहीं है। डीनो ने पहली बार खुलासा किया कि बिपाशा बसु से ब्रेकअप का फैसला उन्होंने खुद लिया था। उन्होंने बताया कि जब राज फिल्म के दौरान हम अलग हो रहे थे, तो बिपाशा के लिए यह बहुत मुश्किल था। लेकिन हमारे बीच कुछ मुद्दे थे, जिनकी वजह से मुझे यह फैसला लेना पड़ा। हम इसे ठीक करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन चीजें बेहतर नहीं हो रही थीं। मैंने मूव ऑन करने का फैसला किया। डीनो मोरिया का मानना है कि प्यार सबसे खूबसूरत चीज है और हर किसी को इसे महसूस करना चाहिए। उन्होंने कहा, आप इस धरती पर प्यार फैलाने के लिए आए हैं। अपने परिवार, दोस्तों और यहां तक कि अपने पालतू जानवरों से भी प्यार करें। जितना प्यार आप देंगे, उतना ही प्यार आपको वापस मिलेगा। अगर उनके करियर की बात करें तो डीनो मोरिया ने 1999 में फिल्म प्यार में कभी कभी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि, 2002 में रिलीज हुई हॉरर फिल्म राज ने उन्हें जबरदस्त पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने गुमराह, गुमनाम, श्श्श, फाइट क्लब और इश्क है तुमसे जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन वह इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान नहीं बना सके। हालांकि, अब वह वेब सीरीज और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में सक्रिय नजर आ रहे हैं। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर डीनो मोरिया अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहे हैं। उनका नाम बिपाशा बसु, नंदिता महतानी और लारा दत्ता जैसी एक्ट्रेसेस के साथ जुड़ा, लेकिन उनका कोई भी रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया।

शनाया और आदर्श की फ्रेश जोड़ी धमाल मचाने के लिए तैयार

बालीवुड फिल्म 'तू या मैं' में शनाया कपूर और बाफ्टा नामांकित अभिनेता आदर्श गौरव की फ्रेश जोड़ी धमाल मचाने के लिए तैयार है। तुम्बाड और हसीन दिलरुबा जैसी यादगार फिल्मों को प्रस्तुत करने वाले प्रोडक्शन हाउस कलर येलो के बैनर तले बन रही यह फिल्म आनंद एल राय और बेजॉय नांबियार की पहली कोलैबोरेशन होगी। निर्देशक बेजॉय नांबियार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का टीजर पहले ही दर्शकों को रोमांचित कर चुका है। फिल्म की कहानी रहस्यमयी बैकवॉटर्स में सेट की गई है, जहां रोमांस और सस्पेंस एक साथ कदमताल करते नजर आएंगे। 'तू या मैं' की पटकथा अभिषेक बांदेकर ने लिखी है और इसे हिमांशु शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी दो किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। यह विपरीत परिस्थितियां उनके जीवन में किस तरह की चुनौती खड़ी करेंगी, यही फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक बेजॉय नांबियार ने कहा, हम रोमांस और अस्तित्व के बीच की रेखा को धुंधला करने की कोशिश कर रहे हैं। आदर्श और शनाया की जोड़ी और उनकी अलग-अलग एनर्जी इस कहानी में एक नई जान डालती है। यह फिल्म दर्शकों को भावनात्मक रूप से गहराई तक छूने के साथ-साथ रोमांच का नया अनुभव भी कराएगी। वहीं, आनंद एल राय का कहना है कि तू या मैं एक अनप्रेडिक्टेबल फिल्म है, जिसमें कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं है। उन्होंने कहा, इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगी। हमें ऐसे कलाकारों की जरूरत थी, जो अपने किरदारों में पूरी तरह ढल जाएं और पर्दे पर अलग ही जादू बिखेरें। आदर्श और शनाया इस फिल्म के लिए परफेक्ट चॉइस हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी, साउंडट्रैक और कहानी दर्शकों के लिए एक खास अनुभव लेकर आएगी। इसे 14 फरवरी 2026 यानी वैलेंटाइन्स डे के मौके पर रिलीज किया जाएगा। इसे 'परफेक्ट डेट-नाइट थ्रिलर' के रूप में पेश किया जा रहा है, जो दर्शकों को रोमांस और रोमांच के एक साथ होने का अनोखा अहसास कराएगी। कलर येलो प्रोडक्शन हाउस इस फिल्म के जरिए एक बार फिर दर्शकों को नया सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी में है। यह फिल्म रोमांस, थ्रिल और अस्तित्व की जंग का अनूठा संगम होगी, जिसे चर्चित निर्देशक बेजॉय नांबियार निर्देशित कर रहे हैं।

जिम में पसीना बहाकर किया है वजन कम: रामकपूर

बीते कई दिनों से एक्टर राम कपूर चर्चा में बने हुए हैं। उनके वेट लॉस पर लोगों की नजरें टिक गईं। कई लोगों ने सवाल खड़े किए कि आखिर उन्होंने अपना वजन कैसे कम किया है। कई लोगों ने कहा कि उन्होंने ओजम्पिक उपचार लिया है, जिस पर बीते दिनों उन्होंने सफाई दी। इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने इस तरह का कोई उपचार नहीं लिया। साथ ही बताया कि जिम में पसीना बहाकर और मेहनत करके उन्होंने अपना वजन कम किया है। अब इसी बीच निर्माता एकता कपूर ने अभिनेता राम कपूर पर कटाक्ष किया। बड़े अच्छे लगते हैं का निर्माण एकता कपूर ने किया था। इसमें राम कपूर और साक्षी तंवर मुख्य जोड़ी के रूप में थे। उन्हें प्रशंसकों ने बेहद पसंद किया और शो बहुत हिट हुआ। इंस्टाग्राम पर अपने हालिया पोस्ट में एकता कपूर ने अपने प्रशंसकों से वजन कम करने के लिए सुझाव मांगे। एकता के शो बड़े अच्छे लगते हैं में अभिनय करने वाले अभिनेता राम कपूर ने हाल ही में दावा किया था कि उनका 55 किलो वजन कम होना ओजम्पिक या सर्जरी की वजह से नहीं था। अपने इंस्टाग्राम वीडियो में एकता ने कहा कि हाल ही में उनका वजन काफी बढ़ गया है और इसे कम करने के लिए उन्हें सुझावों की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे क्या करना चाहिए, मेरा वजन काफी बढ़ गया है। क्या मुझे एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट लेनी चाहिए? मौनजारो? ओजम्पिक? ये सब? अपना मुंह बंद कर लूं? या छोड़ दूं? हम बड़े ही अच्छे लगते हैं! कैप्शन में उन्होंने लिखा, ओजम्पिक हो जाए। हाल ही में राम कपूर ने अपने वजन घटाने के बाद आए बदलाव से इंटरनेट यूजर्स को चौंका दिया था। पिछले महीने उन्होंने यह बताने के लिए एक इंस्टाग्राम वीडियो बनाया कि बहुत से लोग उनसे पूछ रहे हैं कि क्या वह ओजम्पिक या अन्य दवाओं पर हैं या 55 किलो वजन कम करने के लिए कोई सर्जरी करवाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह ओजम्पिक पर नहीं हैं और उन्होंने अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा, चार से छह महीनों के भीतर, मैं ब्लॉक के साथ एक रॉक सॉलिड 6-पैक पाने जा रहा हूं।

जल्द रिलीज होगा सनी देओल की फिल्म जाट का ट्रेलर

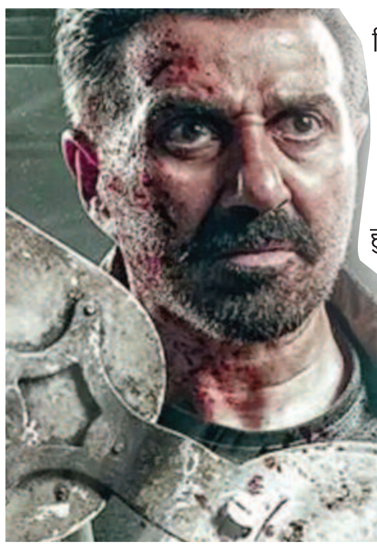

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल ने बताया है कि उनकी आने वाली फिल्म जाट का ट्रेलर जल्द रिलीज होगा। सनी देओल अपनी अगली एक्शन ड्रामा फिल्म 'जाट' के प्रमोशन में व्यस्त हैं।हाल हीं में फिल्म 'जाट' के निर्माताओं ने इस फिल्म का नया टीज़र रिलीज किया था,जिसमें सनी देओल धमाकेदार एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। एक्शन से भरे सीन में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच जबरदस्त मुकाबला नजर आया। सनी देओल ने अब इस फिल्म के सेट से पर्दे के पीछे की फुटेज वाला एक खास वीडियो शेयर किया और यह भी घोषणा की कि ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा।अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सनी ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें सेट का दौरा करते हुए देखा गया। वीडियो साझा करते हुए सनी देओल ने कैप्शन में लिखा, 'जाट ट्रेलर जल्द ही आ रहा है। तेरा जाट। गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने शानदार ढंग से तैयार किया है।थमन एस का जोशीला संगीत और ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी फिल्म के अनुभव को और बेहतर बनाती है। नवीन नूली ने संपादन और अविनाश कोल्ला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन किया है। फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

पर्दे पर 'सुपर आइकॉनिक' श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहती हैं तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया स्क्रीन पर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भूमिका निभाना चाहती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी यह तमन्ना है कि वह सुपर आइकॉनिक अभिनेत्री की भूमिका को पर्दे पर उतारें। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में लेबल ब्लोनी के लिए शोस्टॉपर बनीं तमन्ना से जब पूछा गया कि वह स्क्रीन पर किस अभिनेत्री के किरदार को निभाना चाहेंगी, तो उन्होंने आइकॉनिक एक्ट्रेस श्रीदेवी का नाम लिया। तमन्ना ने कहा, 'मैं श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहूंगी। वह सुपर आइकॉनिक थीं और वह ऐसी शख्सियत हैं जिनकी मैं प्रशंसक रही हूं।' भारतीय सिनेमा की 'पहली महिला सुपरस्टार' के रूप में लोकप्रिय श्रीदेवी ने कॉमेडी से लेकर फैमिली ड्रामा तक, विभिन्न विधाओं के साथ सिनेमा के हर हिस्से को छुआ। वह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, मगर वह शानदार फिल्मों के जरिए हमेशा जिंदा रहेंगी। श्रीदेवी हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में 'मिस्टर इंडिया', 'खुदा गवाह', 'लाडला', 'जुदाई', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'मॉम' जैसी शानदार फिल्मों में काम किया। श्रीदेवी की आखिरी फिल्म 'मॉम' थी, जो 2017 में रिलीज हुई थी। श्रीदेवी की पहली हिंदी फिल्म सोलहवां सावन (1979) थी। इससे पहले वह फिल्म जूली में मेन लीड की बहन के रूप में दिखी थीं। तमन्ना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, राजीव मेहता और दिव्या दत्ता अहम भूमिकाओं में हैं। तमन्ना जल्द ही अशोक तेजा के निर्देशन में तैयार फिल्म ओडेला 2 में नजर आएंगी। संपत नंदी ने फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में तमन्ना, हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन. सिम्हा के साथ नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंद्र रेड्डी और पूजा रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में हैं। ओडेला तेलंगाना के ओडेला गांव में हुई वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।

आमिर अली को मिला नया प्यार

टीवी के मशहूर अभिनेता आमिर अली ने अपनी शानदार एक्टिंग से छोटे पर्दे पर खास पहचान बनाई है। उन्होंने कई टीवी शोज और वेब सीरीज में काम किया है। हालांकि, उनकी प्रोफेशनल लाइफ जितनी सफल रही, उनकी पर्सनल लाइफ उतनी ही उतार-चढ़ाव भरी रही। चार साल पहले उनकी शादी एक्ट्रेस संजीदा शेख से टूट गई थी। लेकिन अब आमिर अली की जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है। आमिर अली ने हाल ही में पुष्टि की कि वह एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर अंकिता कुकरेती को डेट कर रहे हैं। दोनों की बॉन्डिंग को देखकर फैंस बेहद खुश हैं। हाल ही में होली सेलिब्रेशन के दौरान आमिर और अंकिता ने अपनी रोमांटिक तस्वीरें शेयर की थीं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। अंकिता कुकरेती बॉलीवुड स्टार्स विवेक ओबेरॉय और ऋतिक रोशन के साथ काम कर चुकी हैं। इसके अलावा, वह कई विज्ञापनों में भी नजर आई हैं और उनका खुद का एक यूट्यूब चैनल भी है। मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली अंकिता फिलहाल मुंबई में रहकर अपने करियर पर फोकस कर रही हैं।

बादशाह का वीडियो देख फैंस हैरान

हाल ही में बॉलीवुड के मशहूर रैपर बादशाह ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसे देखने के बाद उनके फैंस शॉक्ड हो गए। उन्होंने जो वीडियो शेयर किया, वह कुछ खास था और इस वीडियो ने उनके फैंस को हैरान कर दिया। रैपर बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जो उनके खुद के क्लोथिंग ब्रांड के प्रमोशन के लिए था। लेकिन इस वीडियो में उनके लुक्स और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन पर सबकी नजरें टिकी रह गईं। वीडियो में बादशाह पहले से बहुत अधिक फिट नजर आ रहे थे। उन्होंने काफी फैट कम कर लिया है और अब वह काफी स्लिम और फिट हो गए हैं। उनके इस जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन को देखकर उनके फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। बादशाह का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर फैंस ने जमकर कमेंट्स करना शुरू कर दिए हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, हनी सिंह की वापसी के डर से बादशाह ने खाना बंद कर दिया था। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, आप बेहद हैंडसम लग रहे हो। एक तीसरे यूजर ने कहा, यह वीडियो फेक लग रहा है। कुछ फैंस ने बादशाह की तुलना एपी ढिल्लो से करते हुए लिखा, आप एपी ढिल्लो में कैसे ट्रांसफॉर्म हो गए? इस वीडियो के बाद बादशाह की फिटनेस को लेकर फैंस की तरफ से बहुत सारे कमेंट्स और तारीफें आ रही हैं।

रोजलिन ने हिना खान की बीमारी को फिर बताया 'फेक'

एक्ट्रेस रोजलिन खान ने एक बार फिर एक्ट्रेस हिना खान की बीमारी को बीमारी को 'फेक' बताया है। इससे पहले भी रोजलिन हिना के कैंसर को लेकर संदेह जता चुकी हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान, रोजलिन खान ने हिना खान के कैंसर को लेकर कहा कि उन्हें नहीं लगता कि मामला उतना गंभीर है जितना हिना दिखा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि स्टेज 3 कैंसर से जूझ रहे मरीज और कीमोथेरेपी के दौरान सर्जरी कराने वाले लोग लंबे समय तक उपवास नहीं कर सकते। हालांकि उन्होंने हिना का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन उनके बयान से यह साफ झलक रहा था कि उनका इशारा हिना खान की ओर था। इतना ही नहीं, रोजलिन खान ने कहा कि वह जल्द ही कैंसर अवेयरनेस पर एक फिल्म बनाने वाली हैं, जिसमें वह हिना खान को कास्ट करने पर विचार कर रही हैं। उन्होंने हिना की एक्टिंग की तारीफ करते हुए कहा कि वह इस विषय पर बेहतरीन तरीके से अभिनय कर सकती हैं। इस दौरान रोजलिन ने अपनी कैंसर सर्वाइवल जर्नी भी साझा की और बताया कि उन्होंने इस गंभीर बीमारी से किस तरह संघर्ष किया और खुद को मजबूत बनाए रखा। उन्होंने कहा कि जो लोग कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे हैं, उन्हें सोशल मीडिया पर फैल रही किसी भी जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ अपने डॉक्टर की सलाह पर ही ध्यान देना चाहिए और उसी के मुताबिक इलाज कराना चाहिए। रोजलिन ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर कई बार गलत जानकारियां फैलाई जाती हैं, जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कैंसर जैसी बीमारी के बारे में किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। हिना खान को लेकर आए इस बयान पर फिलहाल हिना की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, इससे पहले जब रोजलिन ने उनकी बीमारी पर सवाल उठाए थे, तब हिना ने उन्हें नजरअंदाज करने का फैसला किया था। अब देखना होगा कि इस नए बयान पर हिना कोई जवाब देती हैं या फिर पहले की तरह चुप्पी साधे रहती हैं। बता दें कि टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने जब से अपने ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज से पीड़ित होने की खबर साझा की है, तब से वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। फैंस और इंडस्ट्री के उनके साथी जहां हिना के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673